▪ माघ शुक्ल - 4 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 199 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 13-02-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

## 'शब्द' की काव्यगोष्ठी में दिखे वैविध्य रचना रंग

# 'शब्द' की सामर्थ्य अद्भुत है लेकिन बिना साधना के कवि कल्पना का संसार नहीं रच पाता : त्रिपाठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'शब्द' की मासिक रचना गोष्ठी रविवार को शायरा विद्या कृष्णा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। गोष्ठी में मुख्य अतिथि थे काशी से पधारे प्रो वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी। रचना उनियाल की सरस्वती वंदना से आरंभ गोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो त्रिपाठी ने कहा कि कविता शब्दों की रचना होती है। कविता के शब्द वही होते हैं, जिनका प्रयोग हम अपने दैनंदिन जीवन में करते हैं। किन्तु कविता में प्रयोग के बाद शब्द के अर्थ सामान्य नहीं रह जाते। उसकी भंगिमा भी बदल जाती है। कविता में सबसे जरूरी होती है संप्रेषणीयता। इसके लिए जरूरी होता है अर्थ। कविता के शब्द की सामर्थ्य अद्भुत होती है। इसके लिए कवि को साधना करनी होती है। तभी वह अपनी कल्पना का संसार रच पाता है।

रचना गोष्ठी में काशी की प्रो चन्द्रकला त्रिपाठी, मुंबई से आए अनिल अत्रि एवं गजलगो अलका सरर, दिल्ली की नेहा नाहटा और जम्मू के दीपक सोपोरी के काव्य पाठ का श्रोताओं में जादुई असर देखा गया। वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर, आनंद मोहन झा, रघुबीर अग्रवाल, बिन्दु रायसोनी, श्रीप्रकाश यादव एवं आनंद दाधीच तथा लोकेश मिश्र की काव्य प्रस्तुतियाँ प्रभावकारी रहीं। गोष्ठी में डॉ उषारानी राव, डॉ स्वर्ण ज्योति, रचना उनियाल तथा ईश्वरचंद्र मिश्र के काव्य पाठ को भी बहुत वाहवाही मिली। स्वीटी सिंघल, प्रो मनोज कुमार, रचना उनियाल तथा श्रीकांत शर्मा के काव्यपाठ को भी श्रोताओं ने खूब सराहा।

'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने आयोजकीय वक्तव्य में संस्था की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी देते हुए कहा कि सृजन के अभागे दौर में कवि को आलोचक का और आलोचक को कवि का इंतजार रहता है। रचना गोष्ठी में अहमदाबाद से पधारीं कथाकार नीलम कुलश्रेष्ठ की उपस्थिति भी उल्लेखनीय थी। रचना गोष्ठी के समापन पर बिंदु रायसोनी ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थितजन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। गोष्ठी का संचालन श्रीकांत शर्मा ने किया।

# सूर्य मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुआ भव्य शुभारंभ

## सम्पूर्ण भारत वर्ष से आए शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण समाज के मुख्य आराध्य भगवान भुवन भास्कर के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ सोमवार को पैलेस ग्राउंड में आयोजित स्वागत समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में महिला मंडल द्वारा गायत्री महामंत्र का सुमधुर संगीत पर सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया। इस मौके पर सूर्य भगवान की मनमोहक झांकिया विविध रूप में चलचित्र के माध्यम से दिखाई गई।

कार्यक्रम में लाभार्थी सुनील शर्मा, संतोष शर्मा परिवार का ढोल नगाड़ों के बड़ी गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम को शर्मा परिवार की चंद्रा शर्मा ने स्वागत भाषण दिया।

कार्यक्रम में भारतवर्ष के विभिन्न प्रदेशों से आए समाज के लोगों का शर्मा परिवार की ओर से सम्मान कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर तेजराज शर्मा, भंवरलाल मिहिर, महेंद्र शर्मा, दानमल भोजक, चेतन शर्मा, बाबूलाल पांचेटिया, वीरेंद्र शर्मा, विजयकुमार जांगला, जेठमल, हुक्मीचंद, अशोक शर्मा, सुरेश शर्मा, भूपेश कश्यप, बाबूलाल बेड़ा, राजेश शर्मा, संदीप शर्मा, नरेंद्र शर्मा, अनिल शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

# एक गुरु और एक अनुशासन से संचालित है तेरापंथ धर्मसंघ : साध्वी लावण्यश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन विजयनगर में साध्वीश्री लावण्यश्रीजी ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ गुरु आज्ञा, इंगित पर श्रद्धा से चलता है। उन्होंने कहा कि चातुर्मास घोषणा का अधिकार न तो आपका है, न तो हमारा है, यह अधिकार तो मात्र तेरापंथ के आचार्य प्रवर का है। तेरापंथ धर्मसंघ में कोई भी साधु साध्वी अपने मन से न विहार करते है, न चातुर्मास, जो गुरु कहते है उसकी पालना करते है, जहां गुरु कहे वहां जाना। अपना सर्वस्व समर्पण होता है एकमात्र गुरु के प्रति। हम सौभाग्यशाली है कि हमें ऐसा महान शासन मिला। एक गुरु की छत्रछाया में निश्रिंत रहने का दुर्लभतम अवसर हमने पाया है। इससे पूर्व तेरापंथ सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी ने साध्वी श्रीजी का अभिनंदन किया। तेयुप अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने साध्वीश्री को चेन्नई के सफल चातुर्मास की शुभकामनाएं दी। महिला मंडल अध्यक्ष मंजू गादिया ने भी स्वागत किया। इस अवसर पर सभा, परिषद, महिला मंडल के सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही।

# प्रतिष्ठित हुए नए मंदिर के द्वारोद्घाटन के साथ सम्पन्न हुआ प्रतिष्ठा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में सुमतिनाथ जिनालय सह दादावाड़ी, गुरु मंदिर अंजनशलाका प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव प्रतिष्ठा निश्रादाता खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीजी, आचार्य अभरशेखरसूरीश्वरजी व आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। सोमवार को सुबह लाभार्थी हेमाबाई हिम्मतमल हीरण परिवार द्वारा प्रतिष्ठित हुए मागड़ी रोड जैन मंदिर का द्वारोद्घाटन किया गया। द्वारोद्घाटन के बाद श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर जिन प्रतिमाओं व गुरु प्रतिमाओं का दर्शन कर पूजा की। इस मौके पर सत्तरभेदी पूजा भी आयोजित की गई। द्वारोद्घाटन के मौके पर संघ के अध्यक्ष प्रतापसिंह मेहता, उपाध्यक्ष धर्मचन्द सुराणा, सचिव इन्दरचन्द गादिया, सहसचिव जगदीश गोगड़ व भरत पालरेचा, कोषाध्यक्ष मुन्नालाल सिंघवी आदि के चेहरे पर खुशी व आत्मसंतोष का भाव साफ झलक रहा था, मानो ऐसा लग रहा था कि उन सभी का बहुप्रतिक्षित सपना पूरा हो गया हो।

# सिगा के प्रतिनिधि मंडल ने टेक्सटाइल्स मंत्री पीयूष गोयल से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साउथ इंडिया गारमेन्टस एसोसिएशन(सिगा) के अध्यक्ष अनुराग सिंघला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने नई दिल्ली में टेक्सटाइल्स मंत्री पीयूष गोयल व सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के सचिव एससीएल दास से मुलाकात कर गारमेन्ट उद्योग के संबंध में विशेष विषयों पर चर्चा कर एक ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के सदस्यों ने आयकर कानून, विशेष रूप से धारा 43(एच) में हुए बदलावों के कारण उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करते हुए ज्ञापन सौंपा।

मंत्री व सचिव ने एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया कि वे उनके ज्ञापन को वित्त मंत्रालय तक पहुंचाएंगे तथा मुद्दों के समाधान के लिए सिफारिशें प्रदान करेंगे।





# सीरवी सेवा संघ लिंगराजपुरम ने धूमधाम से मनाया वार्षिक सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सीरवी सेवा संघ लिंगराजपुरम का 29वाँ वार्षिक सम्मेलन तथा माही बीज महोत्सव रविवार को श्री आईजी चंदन वाटिका बुद्धगिरी में धूमधाम से मनाया गया। दो दिवसीय माही बीज महोत्सव के उपलक्ष्य में शनिवार की रात लिंगराजपुरम स्थित बडेर प्रांगण में आयोजित भजन-कीर्तन व जागरण में नारायणलाल चोयल, जोगाराम परिहार तथा सत्तू पंवार आदि ने माताजी के सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी तथा इस दौरान विभिन्न बोलियों लगाई गई।

रविवार को प्रात:काल हवन अनुष्ठान और श्री आईमाता मंदिर के शिखर पर अमर ध्वजा के लाभार्थी राठौड़ परिवार द्वारा ध्वजारोहण के पश्चात आईजी चंदन वाटिका में हवन अनुष्ठान हुआ। इसके पश्चात गैर मंडल के कलाकारों के गैर नृत्य की प्रस्तुति दी तथा माताजी की भव्य झांकी के साथ वरघोड़ा निकला गया। आईमाता की पूजा-अर्चना, स्तुति व मंगल आरती के पश्चात संघ के पदाधिकारियों तथा अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के वार्षिक सम्मेलन व साधारण सभा प्रारंभ हुई। इस मौके पर अतिथि के रूप में बुद्धगिरी पंचायत के पूर्व चेयरमैन श्रीनिवास गौड़ा, सीरवी महासभा कर्नाटक के अध्यक्ष वीरमराम सोलंकी, सीरवी समाज एचएसआर लेआऊट बलेपेट बडेर के अध्यक्ष फाऊलाल परिहारिया, बलेपेट बडेर के उपाध्यक्ष अन्नाराम परिहारिया, पूर्व अध्यक्ष शेषाराम भायल तथा अन्य अतिथियों का संघ की ओर से स्वागत किया गया। संघ के अध्यक्ष नारायणलाल परिहार ने सभी का स्वागत किया। सचिव किशनलाल चोयल ने वार्षिक रिपोर्ट तथा कोषाध्यक्ष मांगीलाल राठौड़ ने आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इस दौरान मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुति देने वाली बालिकाओं को संघ की ओर से पुरस्कार प्रदान किये गये। दिन भर चले धार्मिक महोत्सव में बच्चों ने विभिन्न खेलों का जमकर आनन्द उठाया। कार्यक्रम का संचालन सहसचिव जुगराज चोयल तथा पूर्व सचिव अमरचंद सानपुरा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम स्थल पर सदस्यों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर संघ के पूर्व अध्यक्ष चोलाराम चोयल, श्री प्रभुराम काग, तुलसाराम राठौड़, पूर्व सचिव जोगाराम परिहार, पूर्व सहसचिव हनुमानराम राठौड़ आदि गणमान्य उपस्थित थे।

# निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में तीन सौ लोग हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विजय संभव फाउंडेशन और विश्वकर्मा बिहार समाज सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में ने यशवंतपुर में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जिसमें करीब 300 लोगों ने ग्लूकोज, शर्करा, ब्लड प्रेशर, वजन और ईसीजी आदि की जांच करवाई। इस शिविर में कावेरी हॉस्पिटल के चिकित्सक चिकित्सीय परामर्श, स्माइल डेंटल क्लिनिक ने दंत परीक्षण व अलोका विजन प्रोग्राम ने निशुल्क नेत्र परीक्षण किया। शिविर में 49 जरुरतमंदों को निशुल्क चश्मे प्रदान किए जाने की घोषणा हुई। इस शिविर को सफल बनाने में विश्वकर्मा ट्रस्ट के अध्यक्ष बृजेश शर्मा, उपाध्यक्ष राजन शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रदीप शर्मा और सचिव संतोष शर्मा के अलावा वीएसएफ के कोर सदस्य डा.रवि राजहंस, सोनलकीर्ति, कुमार संभव आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विजेता टीम : बेंगलूरु के इन्दिरानगर स्थित गोटावत जैन कालेज मैदान में हलसूर प्रीमियर लीग मकाना कप क्रिकेट प्रतियोगिता में शानदान प्रदर्शन करते हुए टीम ट्रिपी एस्केप ने टीम हेप्पी होम को 111 रन से हराकर मकाना कप पर कब्जा जमा लिया। प्रायोजक जयप्रकाश मकाना ने विजेता टीम के कप्तान करण ओस्तवाल व टीम मालिक उत्तमचन्द तातेड़ को ट्रॉफी सौंपी। पुरस्कार वितरण समारोह में अलसूर जैन संघ के अध्यक्ष नेमीचन्द चोरडिया एवं मंत्री अभयकुमार बांठिया के अलावा शांतिलाल चोपड़ा, इंदरचंद भंसाली, तेजराजलोढा, खेमचंद कांकरिया सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

# कल बसवनगुड़ी में होगा गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरी का मंगल प्रवेश

## गुरुवार को बसवनगुड़ी मंदिर पर ध्वजारोहण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी आदि ठाणा चतुर्विध संघ के साथ शोभायात्रा के साथ आनन्दा प्लेटिनम अपार्टमेंट्स से बुधवार को बसवनगुड़ी आराधना भवन में भव्य प्रवेश करेंगे। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष निर्भयलाल गुलेच्छा ने बताया कि आचार्य और गच्छाधिपति बनने के बाद गुरुदेव का यह प्रथम बेंगलूरु प्रवास है। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि बेंगलूरु प्रवास के दौरान आचार्यश्रीकी निश्रा में मागड़ी रोड में सुमतिनाथ जैन मंदिर व गुरु मंदिर की प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी ने बताया कि आचार्यश्री आगमन से बेंगलूरु संघ में उत्साह और उल्लास का माहौल है। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने जानकारी दी कि इसी के साथ वमलनाथ जिनालय और दादावाड़ी का ध्वजारोहण कार्यक्रम 15 फरवरी को आचार्यश्री की निश्रा में भव्य तरीके से मनाया जाएगा। ध्वजारोहण के कायमी लाभार्थी संघवी तेजराज गुलेच्छा परिवार के निवास स्थान से शोभायात्रा के साथ ध्वजा जिनालय में लाई जाएगी और सत्तरभेदी पूजा के पश्चात जिनालय के उत्तुंग शिखर पर ध्वजारोहण किया जाएगा।

# आरआर नगर में व्यक्तित्व विकास कार्यशाला 'आसमान छू कर दिखाना है' का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर द्वारा बेंगलूरु स्तरीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला 'आसमान छू कर दिखाना है' का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन तेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन माँडोत ने किया। पवन मांडोत ने कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कहा कि युवाओं में जोश भरा और कहा कि आज इस कार्यशाला से हमें कुछ ना कुछ लेकर जाना है और उसे अपने जीवन में अपनाना है। परिषद अध्यक्ष विकास छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया।

मुख्य वक्ता विक्रम सेठिया ने बताया कि आसमान छूने के लिए यह ज़रूरी नहीं कि आप कितने सफल हैं बल्कि यह देखे कि आप कितने सफल हो सकते हो। आपके द्वारा की गई कोशिश आपको सफलता के नये मुक़ाम पर पहुँचाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि परिस्थितियों का बहाना बनाने वाला कभी आगे नहीं बढ़ सकता है। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा कि दुनिया परिस्थिति नहीं अपितु परिणाम देखती है। संभाग प्रमुख अमित दक, टीपीएफ राष्ट्रीय सहमंत्री लक्ष्मीपत मालु, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, महिला मंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यशाला के मुख्य प्रायोजक गुलाबदेवी छाजेड़ एवं सह प्रायोजक गणपत दीपक कोठारी, उम्मेदसिंह जय पटावरी परिवार वाले थे। इस अवसर पर सीपीएस राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी, जैन संस्कार विधि राष्ट्रीय सह प्रभारी विकाश बांठिया, रोहित कोठारी, सभामंत्री हेमराज सठिया, अभातेयुप परिवार, स्थानीय परिषदों के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन मंत्री धर्मेश नाहर ने किया । आभार ज्ञापन संयोजक पंकज बैद ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
DNR Highline @ Okalipuram
near LULU Mall Rajajinagar
3 & 4 BHK FLATS
with 7 Star Luxurious Amenities.
Only Few Flats available for Sale.
for details
Contact Owner: 9844027560

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



## अयप्पा पूजा व अन्नदान

बेंगलूरु के सरकारी कॉलोनी क्षेमाभिवृद्धि संघ अयप्पा स्वामी भक्त मंडली द्वारा विजयनगर क्लब रोड में आयोजित भगवान अयप्पा स्वामी की 'पड़ी पूजा' महोत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने भगवान अयप्पा प्रतिमा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित




5 मोदी को तीसरी बार पीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता : कुमारस्वामी

6 असर भारत की सफल कूटनीति का

7 मोहन भागवत ने एकता, अहिंसा और सौहार्द से रहने का आह्वान किया




## फर्स्ट टेक

### मोदी आज से यूएई की यात्रा पर

**नई दिल्ली/वार्ता।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 से 14 फरवरी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर की यात्रा पर जाएंगे। मोदी यूएई में आबू धाबी के पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन करेंगे और कतर की यात्रा पर दोहा जाएंगे। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उनके अनुसार वर्ष 2015 के बाद से यह मोदी की यूएई की सातवीं यात्रा और पिछले आठ महीनों में तीसरी यात्रा होगी। यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

### पाकिस्तान में विपक्ष में बैठेगी इमरान खान की पार्टी

**इस्लामाबाद/भाषा।** इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के नेता बैरिस्टर गौहर अली खान ने कहा कि उनकी पार्टी गठबंधन सरकार बनाने के लिए प्रतिद्वंद्वी पीएमएल-एन या पीपीपी से हाथ नहीं मिलाएगी और नवनिर्वाचित संसद में बहुमत होने के बावजूद विपक्ष में बैठेगी। पिछले सप्ताह के आम चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों ने सबसे अधिक संसदीय सीटें हासिल कीं। इन निर्दलीय उम्मीदवारों में ज्यादातर खान की पीटीआई से जुड़े हैं। पीटीआई के पास हालांकि 266 सदस्यीय नेशनल असेंबली में अपने दम पर सरकार बनाने के लिए पर्याप्त सीटें नहीं हैं।

### इजराइल ने दो बंधकों को मुक्त कराया

**रफह (गाजा पट्टी)/एपी।** इजराइल की सेना ने सोमवार तड़के दक्षिणी गाजा पट्टी में अत्यंत सुरक्षा वाले अपार्टमेंट पर धावा बोलकर दो बंधकों को मुक्त कराया और एक नाटकीय घटनाक्रम में गोलीबारी के बीच बंधकों को सुरक्षित बाहर निकाला। आतंकवादी समूह हमास द्वारा क्षेत्र में बंधक बना कर रखे गए 100 से अधिक बंधंकों की देश वापसी की दिशा में इजराइल की यह एक छोटी लेकिन प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण सफलता है। फलस्तीनी अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम 67 फलस्तीनी मारे गए।

| सूर्यास्त 13-02-2024 | सूर्योदय 14-02-2024 |
|---|---|
| 6:24 बजे | 6:42 बजे |

| BSE | NSE |
|---|---|
| 71,072.49 | 21,616.05 |
| (-523.00) | (-166.45) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 6,487 रु. | 72,342 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

# श्रीलंका, मॉरीशस में यूपीआई भुगतान सुविधा सेवा शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत की यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) सेवाओं की शुरुआत सोमवार को श्रीलंका और मॉरीशस में हो गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकी से जोड़ने वाला बताया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ ने भी हिस्सा लिया।

अपनी टिप्पणी में मोदी ने उम्मीद जताई कि नई फिनटेक सेवाएं दोनों देशों की मदद करेंगी। उन्होंने कहा कि यूपीआई 'भारत के साथ साझेदारी को एकजुट करने की नई जिम्मेदारियों' को क्रियान्वित कर रहा है। उन्होंने कहा, आज हिंद महासागर क्षेत्र के तीन मित्र देशों के लिए एक विशेष दिन है क्योंकि हम अपने ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक डिजिटल तकनीक के साथ जोड़ रहे हैं। मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि यूपीआई प्रणाली से श्रीलंका और मॉरीशस को फायदा होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे से भारत में क्रांतिकारी बदलाव आया है। उन्होंने 'पड़ोस प्रथम' नीति पर भारत की केंद्रित नीति को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, चाहे वह प्राकृतिक आपदा हो, स्वास्थ्य से जुड़ी हो, आर्थिक या अंतरराष्ट्रीय मंच पर समर्थन, भारत ने सबसे पहले प्रतिक्रिया दी है। भारत आगे भी यह जारी रखेगा।

श्रीलंका और मॉरीशस में भारतीय सेवाओं की शुरुआत दोनों देशों के साथ भारत के बढ़ते द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों की पृष्ठभूमि में हुई है।

इससे श्रीलंका और मॉरीशस की यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों के साथ ही भारत की यात्रा करने वाले इन देशों के नागरिकों के लिए यूपीआई की सेवा उपलब्ध होगी।

## अवध बिहारी चौधरी को बिहार विधानसभा अध्यक्ष पद से हटाया गया



**पटना/भाषा।** बिहार विधानसभा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता अवध बिहारी चौधरी को सदन के अध्यक्ष पद से हटाने का प्रस्ताव सोमवार को पारित कर दिया। इसके बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर बनाई गई अपनी नई सरकार के लिए विश्वास मत हासिल करने के वास्ते सोमवार को विधानसभा में प्रस्ताव पेश किया। मुख्यमंत्री कुमार एक पखवाड़े पहले 'महागठबंधन' से अलग होकर भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में लौट गए थे। पूर्ववर्ती महागठबंधन सरकार का हिस्सा रहे राजद के नेता चौधरी ने अपनी पार्टी के सत्ता से बाहर होने के बाद अपना पद छोड़ने से इनकार कर दिया था। राजग द्वारा अध्यक्ष के खिलाफ पेश किए गए अविश्वास प्रस्ताव को 243 सदस्यीय विधानसभा में 125 विधायकों का समर्थन मिला, जबकि 112 सदस्यों ने इसके खिलाफ मतदान किया। इससे पहले, अध्यक्ष की कुर्सी पर आसीन विधानसभा उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी ने अविश्वास प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित घोषित करना चाहा, लेकिन राजद के विरोध के बाद वे संख्या की गिनती करने पर सहमत हो गए।



# नीतीश कुमार नीत राजग सरकार ने विश्वास मत हासिल किया

**बिहार विधानसभा**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नवगठित राजग सरकार ने सोमवार को विधानसभा में 'महागठबंधन' के सदस्यों के बहिर्गमन के बीच विश्वास मत हासिल कर लिया। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में कुल 129 वोट पड़े जबकि विपक्षी सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। मत विभाजन के समय आसन पर उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी थे। हजारी ने संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी के अनुरोध पर ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित होने की घोषणा के बाद सदस्यों की गिनती का आदेश दिया।

कुमार ने पिछले दिनों महागठबंधन का साथ छोड़ दिया था जिसमें राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख घटक दल है। नीतीश फिर से राजग में लौट आए और उन्होंने भाजपा के समर्थन से सरकार बनाई।

### भ्रष्ट आचरण में लिप्त रहा राजद : नीतीश

**पटना/भाषा।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को आरोप लगाया कि बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के शासन के दौरान पार्टी भ्रष्ट आचरण में लिप्त थी और राजग के नेतृत्व वाली नई राज्य सरकार इसकी जांच कराएगी। कुमार ने राज्य विधानसभा में अपनी पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) द्वारा लाए गए विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी दावा किया कि राजद के कार्यकाल के दौरान बिहार में कई सांप्रदायिक दंगे हुए। उन्होंने कहा, (राजद शासनकाल में) कोई कानून-व्यवस्था नहीं थी। (2005 से पहले) राजद अपने शासनकाल के दौरान भ्रष्ट आचरण में लिप्त था...मैं इसकी जांच कराऊंगा।



# प्रधानमंत्री ने एक लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए

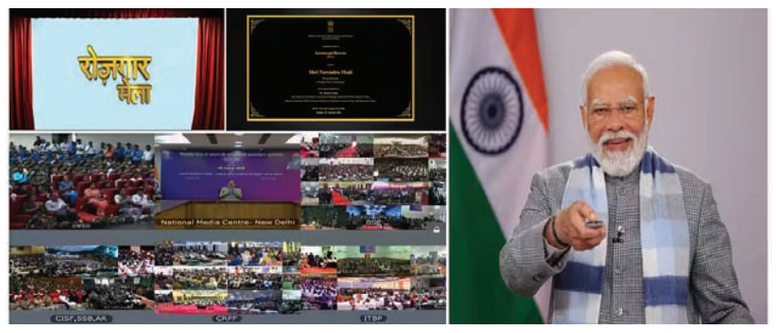

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को रोजगार मेले के तहत हाल ही में भर्ती किए गए एक लाख से अधिक कर्मियों को नियुक्ति-पत्र वितरित किए।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने राजधानी दिल्ली में समेकित कर्मयोगी भवन परिसर के पहले चरण का शिलान्यास भी किया। इस परिसर का उद्देश्य मिशन कर्मयोगी की विभिन्न शाखाओं के बीच तालमेल और सहयोग को बढ़ावा देना है।

नवनियुक्त युवा विभिन्न मंत्रालयों व विभागों जैसे राजस्व विभाग, गृह मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, रक्षा मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, जनजातीय मामलों के मंत्रालय और रेलवे मंत्रालय में विभिन्न पदों पर भर्ती होकर सरकार में शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के मुताबिक, रोजगार मेला देश में रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

# कतर ने आठ पूर्व भारतीय नौसैनिक रिहा किए



**नई दिल्ली/भाषा।** कतर ने जेल में बंद भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को रिहा कर दिया है और उनमें से सात सोमवार सुबह स्वदेश लौट आए। इसे भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है जो कतर की अदालत द्वारा उन्हें मौत की सजा सुनाए जाने के लगभग साढ़े तीन महीने बाद मिली है। इन लोगों की मौत की सजा को बाद में जेल की सजा में बदल दिया गया था।

विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद मामले में सभी घटनाक्रमों की लगातार निगरानी की और भारतीयों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए किसी भी पहल से कभी पीछे नहीं हटे। क्वात्रा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अपनी दो दिवसीय यात्रा के संपन्न होने के बाद बुधवार को कतर की राजधानी दोहा की यात्रा करेंगे, लेकिन संकेत

## पीएफआई का मुख्य प्रशिक्षक गिरफ्तार

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने सोमवार को कहा कि प्रतिबंधित संगठन 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) के एक संदिग्ध मुख्य प्रशिक्षक को केरल स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी जफर भीमंतविदा देश में 2047 तक इस्लामी शासन स्थापित करने के साजिश के एक मामले में वांछित था।

## मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com



कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### नेता ले लो...

हाट लगी है जल्द खरीदो,
यहां विधायक बहुत बिकाऊ।
दल बदलू हैं लेकिन सच में,
सस्ते सुंदर और टिकाऊ।
स्वामी को ना स्वामी समझे,
हर सौदे में बड़े कमाऊ ।
सत्ता के ये प्रबल समर्थक,
जनता को बस मूर्ख बनाऊ ।।

# स्वामी दयानंद सरस्वती ने अंधविश्वास, कुरीतियों को मिटाने की पहल की थी : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



**टंकारा (गुजरात)/भाषा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने 19वीं सदी के भारतीय समाज में व्याप्त अंधविश्वासों और कुरीतियों को दूर करने की पहल की और सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाया।

मुर्मू गुजरात के मोरबी जिले के टंकारा शहर में महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा, महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने 19वीं सदी के भारतीय समाज में व्याप्त अंधविश्वासों और कुरीतियों को मिटाने का बीड़ा उठाया। उन्होंने समाज को आधुनिकता और सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाया। उन्होंने बाल विवाह और बहुविवाह का कड़ा विरोध किया। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहित किया। वे महिलाओं की शिक्षा और उनके आत्म-सम्मान के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने कहा कि दयानंद सरस्वती के द्वारा फैलाए गए प्रकाश ने रूढ़ियों और अज्ञानता के अंधेरे को दूर किया। मुर्मू ने कहा कि उन्होंने सत्य को साबित करने के लिए 'सत्यार्थ प्रकाश' पुस्तक लिखी।


।। श्री दादा गुरुभ्यो नमः।। । श्री विमलनाथाय नमः।। ।। श्री नाकोड़ा भैरवाय नमः।।

श्री विमलनाथ जिनालय-यंत्र मंदिर एवं श्री जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी, बसवनगुड़ी, बेंगलूर के परम पवित्र प्रांगण में

19वीं अमर ध्वजारोहण प्रसंगे

पावन निश्रादाता : पूज्य गुरुदेव युग दिवाकर, अंवति तीर्थोद्धारक
खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा.
आदि ठाणा
गच्छगणिनी प.पू. साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी म.सा.आदि ठाणा

मंगलमय कार्यक्रम
दिनांक : 15.2.2024 गुरुवार, माघ सुदी 6, सं. 2080

प्रात: : 10.30 बजे – स्नात्र महोत्सव एवं सत्तरभेदी पूजा
प्रात: : 12.15 बजे – सकल श्री संघ के साथ गाजते बाजते लाभार्थी परिवार द्वारा ध्वजारोहण
प्रात: : 12.45 बजे – सकल श्री संघ का स्वामीवात्सल्य

अमर ध्वजा के लाभार्थी परिवार
संघवी श्री सुमेरमलजी, तेजराजजी, कनकराजजी, कानराजजी, कुशलराजजी, रमेशकुमारजी, उत्तमचन्दजी, दिनेशजी, कमलेशजी, ललितजी, कीर्तिकुमारजी, महावीरजी, विक्रम, प्रखर, हंसमुख, निखिल, प्रतीक, पीयुष, विनीत, मयंक, जैनम एवं समस्त गुलेच्छा परिवार, बेंगलूर-मोकलसर

आयोजक : श्री जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी

विशेष अनुरोध : बुधवार, दिनांक 14.2.2024 को प्रात: 7.30 बजे पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा बाजते गाजते सकल संघ के साथ आनंदा प्लेटिनम अपार्टमेन्ट से श्री विमलनाथ जिनालय पधारेंगे।

उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में आप सहपरिवार सादर आमंत्रित हैं

# तनाव रहित रहने के लिये खेल को जीवन में अपनाना चाहिए : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासूदेव देवनानी ने कहा है कि तनाव रहित रहने के लिये खेल को जीवन में अपनाना चाहिए। स्वस्थ शरीर के लिये ये आवश्यक भी है । देवनानी सोमवार को यहां राजस्थान राज्य अन्तरजिला सिविल सेवा द्वितीय टेबिल टेनिस, चतुर्थ टेनिस एवं षष्टम बैडमिण्टन प्रतियोगिता 2023-24 के समापन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का आवश्यक अंग है। जीवन में दैनिक कार्यों से तनाव उत्पन्न होता है।

इस तनाव से बचने के लिए नियमित रूप से खेलना चाहिए। प्रतिदिन एक घण्टा खेल के लिए देने से व्यक्ति स्वस्थ रहता है। प्रतियोगिता से जीवन में आगे बढ़ने का भाव आता है। साथ ही श्रेष्ठ कार्य करने की क्षमता विकसित होती है। प्रतियोगिता की भावना प्रत्येक क्षेत्र में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में अलग-अलग जिलों से आकर एक स्थान पर एकत्र होना तथा साथ रहना बहुत महत्वपूर्ण है। इससे समरसता की भावना पैदा होती है। जीवन्तता का आभास होता है। आपसी मेल जोल से सहृदयता बढ़ती है। आगामी प्रतियोगिता की अभी से तैयारी करनी चाहिए। इससे प्रतियोगिता में विजयी बनने के लिए आवश्यक आत्मविश्वास विकसित होगा।

समापन कार्यक्रम में अजमेर के सम्भागीय आयुक्त डॉ. महेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि पहला सुख निरोगी काया है। सरकारी अधिकारियों एवं कार्मिकों को कार्य से मध्य में समय निकालकर खेल अवश्य खेलना चाहिए। शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति आसानी से तनाव प्रबंधन कर लेता है। खेलने वाला व्यक्ति प्रत्येक कार्य तत्परता से करता है। आपस में सामाजिक सदभाव भी बढ़ता है।

आयोजन सचिव एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर लोकेश कुमार गौतम ने प्रतियोगिता प्रतिवेदन में कहा कि प्रतियोगिता में 560 खिलाड़ियों में भाग लिया था। बैडमिण्टन प्रतियोगिता के लिए पुरूषों की 27 एवं महिलाओं की 11, टेनिस प्रतियोगिता के लिए पुरूषों की 21 एवं महिलाओं की 8 तथा टेबिल टेनिस प्रतियोगिता के लिए पुरूषों की 20 टीमों ने भाग लिया।

उन्होंने कहा कि बैडमिण्टन प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में झालावाड़ की टीम विजेता एवं जयपुर शहर की टीम उपविजेता रही। इस प्रतियोगिता में महिला वर्ग में जिला बीकानेर की टीम विजेता एवं जिला जयपुर सचिवालय की टीम उपविजेता रही। टेनिस प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में जिला बीकानेर की टीम विजेता एवं जयपुर सचिवालय की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता में महिला वर्ग में जयपुर ग्रामीण की टीम विजेता एवं जिला उदयपुर की टीम उपविजेता रही। टेबिल टेनिस प्रतियोगिता में जिला उदयपुर की टीम विजेता एवं जिला डूंगरपुर की टीम उपविजेता रही।

## भामाशाहों के सहयोग से 133 स्कूलों में होंगे 28 करोड़ के विकास कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा राज्य के 133 सरकारी स्कूलों में भामाशाहों के सहयोग से 31 परियोजनाओं (प्रोजेक्ट्स) के तहत 28.04 करोड़ रुपये के कार्यों का अनुमोदन किया गया है। पिछले दिनों राज्य परियोजना निदेशक (स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर) अविचल चतुर्वेदी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय संवीक्षा समिति हुई बैठक में लिए गए निर्णय के बाद इस सम्बंध मे आदेश जारी कर दिए गए हैं।

चतुर्वेदी ने बताया कि स्कूल शिक्षा द्वारा संचालित ज्ञान संकल्प पोर्टल पर भामाशाहों (दानदाताओं) द्वारा विद्यालयों में विकास के लिए प्राप्त प्रस्तावों की संवीक्षा के बाद स्वीकृत 31 प्रोजेक्ट्स के माध्यम से प्रदेश के 14 जिलों में स्थित 133 विद्यालयों में नवीन भवन, टॉयलेट्स और रिनोवेशन जैसे विकास कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अलवर जिले में 6, कोटा में 5, जालोर में 4, जयपुर एवं नागौर में 3-3, पाली में 2 तथा बांसवाडा, बारां, बाड़मेर, बीकानेर, चुरू, हनुमानगढ़, झुंझुनू एवं सिरोही जिले में एक-एक परियोजना का अनुमोदन किया गया है।

# चिकित्सा संस्थानों की बुनियादी सुविधाओं में सुधार नहीं होने पर होगा एक्शन : शुभ्रा सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने कहा कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुगमतापूर्वक उपलब्ध करवाने के लिए सभी चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में 15 फरवरी से 29 फरवरी, 2024 तक सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। लक्ष्य के अनुरूप निरीक्षण नहीं करने और निरीक्षण के उपरांत चिकित्सा संस्थानों की बुनियादी सुविधाओं में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध एक्शन लिया जाएगा।

श्रीमती सिंह सोमवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चिकित्सा संस्थानों के निरीक्षण एवं 100 दिवसीय कार्य योजना सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संबंध में समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य चिकित्सा संस्थानों का सिर्फ निरीक्षण करना नहीं है, बल्कि वहां मिलने वाली सुविधाओं में सुधार कर आमजन को अधिक से अधिक राहत पहुंचाना है। सभी अधिकारी चिकित्सा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करें। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

श्रीमती सिंह ने कहा कि सिर्फ बड़े अस्पतालों का ही नहीं, निचले स्तर तक चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया जाए। एक भी संस्थान निरीक्षण से नहीं छूटे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में साफ-सफाई के लिए क्यू आर कोड सिस्टम को प्राथमिकता के साथ शुरू करें। बायोमैट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से सभी चिकित्सा संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। प्रसव कक्ष एवं टॉयलेट्स साफ-सुथरे हों, ताकि संक्रमण का खतरा नहीं रहे। उन्होंने सैनेटरी नेपकिन के सुरक्षित डिस्पोजल संबंधी जागरूकता के लिए अस्पताल में ऑडियो, वीडियो, पैम्पलेट सहित अन्य आईईसी सामग्री का उपयोग किए जाने पर भी जोर दिया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में बुनियादी आवश्यकताओं के लिए आरएमआरएस कोष का सदुपयोग करने के साथ ही भामाशाहों, स्वयंसेवी संस्थानों एवं एनजीओ आदि से भी सहयोग लिया जा सकता है। उन्होंने 100 दिवसीय कार्य योजना के तहत निर्धारित लक्ष्यों की भी समीक्षा करते हुए उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मेलों के आयोजन आवश्यक रूप से करने के साथ ही कैंसर स्क्रीनिंग के कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। श्रीमती सिंह ने भवन रहित चिकित्सा संस्थानों के लिए भूमि चिन्हीकरण एवं निर्माण कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं का आईईसी गतिविधियों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

# मिश्र ने यूनानी चिकित्सा पद्धति को आधुनिक संदर्भों में विकसित करने का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों का समन्वय कर उनके जरिए निरोगी राजस्थान के लिए कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा है कि यूनानी चिकित्सा पद्धति को आधुनिक आवश्यकताओं के संदर्भ में विकसित करने और असाध्य रोगों के निदान में इसकी व्यावहारिकता पर कार्य किए जाने की जरूरत है। मिश्र सोमवार को कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक परिसर में नवनिर्मित निर्मित महिला छात्रावास के उद्घाटन समारोह और एक दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ पर ऑनलाइन जयपुर से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर यूनानी चिकित्सा पद्धति के महान विद्वान हाकिम अजमल खान को स्मरण करते हुए उनके कार्यों को आगे बढ़ाने का भी आह्वान किया।

राज्यपाल ने यूनानी चिकित्सा पद्धति के अंतर्गत हो रहे रोग निदान के कार्यों की व्यावहारिकता को परखते हुए यूनानी चिकित्सा के तहत असाध्य रोगों में इसके उपयोग पर भी कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने यूनानी चिकित्सा पद्धति से महिला और बाल स्वास्थ्य के साथ पोषण लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की बड़ी आबादी को इसके सहज सुलभ कराए जाने पर भी जोर दिया।

मिश्र ने यूनानी चिकित्सा पद्धति का भारतीय आयुर्वेद और एलोपैथी चिकित्सा पद्धतियों का समन्वय कर 'निरोग राजस्थान' के लिए कार्य किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने इस पद्धति के जरिए विकसित भारत-2047 के स्वास्थ्य लक्ष्यों पर भी कार्य करने का आह्वान किया। इससे पहले उन्होंने टोंक में कॉलेज ऑफ यूनानी के महिला छात्रावास का ऑनलाइन लोकार्पण किया। राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति ने यूनानी चिकित्सा के तहत हो रहे कार्यों के बारे में बताया।

## नर्सों को पीएचडी पूरी करने के बाद नाम के साथ 'डॉक्टर' लगाने की अनुमति देने से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने तीन नर्सों को पीएचडी पूरी करने के बाद अपने नाम के साथ 'डॉक्टर' की उपाधि का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग में तैनात नर्सों ने महकमे को एक प्रस्ताव भेजा था कि उन्हें पीएचडी पूरी करने के बाद अपने नाम के साथ 'डॉक्टर' लगाने की अनुमति दी जाए।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के निदेशक (अराजपत्रित) सुरेश नवल ने नौ फरवरी को पत्र जारी कर कहा कि तीन नर्सों ने निदेशालय को प्रस्ताव भेजकर अपने नाम के साथ 'डॉक्टर' की उपाधि लगाने की अनुमति मांगी है, लेकिन इस 'शीर्षक' का उपयोग करने के लिए प्रशासनिक विभाग की ओर से अनुमति नहीं दी गई है।

राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस आदेश ने उन नर्सिंग स्टाफ को हतोत्साहित कर दिया है जो अपने क्षेत्र में शोध के लिए जाते हैं जिससे अंततः मरीजों को फायदा होता है। उन्होंने कहा,'विभाग ने पीएचडी कर चुकी नर्सों को 'डॉक्टर' की उपाधि का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। हम शासन में उच्च अधिकारियों के पास जाएंगे। पीएचडी कर चुके लोग अपने नाम के साथ 'डॉक्टर' की उपाधि का उपयोग करना चाहते हैं। इसके लिए दस्तावेज़ों में बदलाव की आवश्यकता है और उस प्रक्रिया का पालन करने के लिए सरकार की अनुमति आवश्यक है जिसे अस्वीकार कर दिया गया है।'

उन्होंने कहा कि पीएचडी करने वालों को 'डॉक्टर' की उपाधि का उपयोग करने की अनुमति देने से नर्सें शोध और उच्च अध्ययन के लिए प्रोत्साहित होंगी और मरीजों को लाभ होगा।

# ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना में 4 लाख लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि दौसा जिले के 161 गांवों एवं दो कस्बों की 4 लाख जनसंख्या को वर्ष 2054 तक अभिकल्पित आबादी को ईसरदा-दौसा पेयजल परियोजना के तहत शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके तहत 36 हजार से अधिक घरों में नल कनेक्शन दिये जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन हर घर नल - हर घर जल को राजस्थान के घरों में पहुंचाने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है।

चौधरी दौसा जिले के मौजपुर एवं गोहन्दी मीना गांव में पंप हाउस के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जलदाय मंत्री एवं ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने 234 करोड़ की लागत से बनने वाले पंप हाउस निर्माण का शिलान्यास किया।

मौजपुरा पंप हाउस बनने से 13 लाख लीटर जल ईसरदा बांध से इसमें संकलित किया जाएगा। जबकि गोहन्दी मीना पंप हाउस में 14 लाख लीटर जल का संकलन होगा। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन में जनता का पैसा लुटने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा ने कहा कि पिछली सरकार ने ईआरसीपी को राजनीति के तहत रोका। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के प्रयासों से दोनों राज्य (राजस्थान एवं मध्य प्रदेश) सहमत हुए। इससे अब मध्यप्रदेश के 13 एवं राजस्थान के 21 जिलों को पेयजल एवं सिंचाई का पानी उपलब्ध होगा।

डॉ. मीणा ने कहा कि अब डबल इंजन की सरकार है और जनता के काम तेज गति से होंगे। उन्होंने कहा कि आज के शिलान्यास से जनवरी-2025 तक इससे जुड़ने वाले गांवों में हर परिवार तक शुद्ध पेयजल पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ईआरसीपी की संशोधित डीपीआर बना रही है। इस योजना के धरातल पर उतरने से 21 जिलों को सिंचाई एवं पेयजल की सुविधा मिलेगी तथा बाणगंगा में जल छोड़ा जाएगा ताकि आस-पास के इलाके का जल स्तर बढ़ सके।

# वही समाज आगे बढ़ता है जहां बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिले : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि वही शिक्षा सार्थक है जो लैंगिक विषमताओं को दूर करने वाली हो। उन्होंने कहा कि वही समाज तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ता है, जहां बालिकाओं को शिक्षा के अधिकाधिक अवसर मिलते हैं। उन्होंने सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के इस दौर में उत्कृष्ट पुस्तकों के डिजिटलाइजेशन के लिए वृहद स्तर पर कार्य करने और डिजिटल पुस्तकालयों को जनजन के लिए उपयोगी किए जाने का भी आह्वान किया है। मिश्र ने सोमवार को ब्रह्मलीन गौसेवी संत पदमाराम कुलरिया की पुण्य स्मृति में बीकानेर के नोखा में निर्मित प्रेरणालय 'पदम स्मारक', नवनिर्मित डिजिटल लाइब्रेरी, संग्रहालय, प्रतिमा लोकार्पण और बालिका विद्यालय शिलान्यास समारोह में जयपुर से वर्चुअल जुड़ते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि अपने लिए तो सभी कुछ करते हैं परन्तु जीवन की सार्थकता इसमें है कि हम समाज के लिए समर्पण भाव रखते हुए कार्य करें। उन्होंने संत कुलरिया की स्मृति में किए जा रहे समाज सेवा प्रकल्पों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हम महिलापुरुष बराबरी की बात तो करते हैं परंतु जब तक महिलाओं को शिक्षित होने के अधिकाधिक अवसर नहीं मिलेंगे वे पुरुषों की बराबरी पर नहीं आ सकेंगी। उन्होंने केन्द्र सरकार के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' को इस दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। मिश्र ने पदम स्मारक के अंतर्गत डिजिटल लाइब्रेरी और संग्रहालय की स्थापना को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जीवन को गढ़ने वाली पुस्तकों का डिजिटल रूप यदि डिजिटल लाइब्रेरी में संग्रहित किया जाता है तो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा उपहार होगा। उन्होंने कहा कि किताबें कभी नष्ट नहीं होती। किंडल और अन्य रूपों में किताबें फिर से लोकप्रिय हो रही हैं। उन्होंने बालिका विद्यालय को समय संदर्भों में भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करते हुए समाज में बालिका शिक्षा के लिए प्रभावी वातावरण निर्माण की भी आवश्यकता व्यक्त की।

## शिलान्यास

उदयपुर में सोमवार को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की गरिमामयी उपस्थिति में मेवाड़ की पावन भूमि पर 17 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास का उदघाटन करती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।

## कोटा की पुलिस ने एनईईटी अभ्यर्थी को आत्महत्या करने से रोका

कोटा। राजस्थान पुलिस ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी के अपने समकक्षों से मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) के अभ्यर्थी को कथित तौर पर आत्महत्या करने से रोक दिया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 19 वर्षीय छात्र ने काउंसलिंग के दौरान पुलिस को बताया कि वह ऑनलाइन खेल पबजी खेलते हुए दोस्त बने वाराणसी निवासी युवक द्वारा शुक्रवार को आत्महत्या करने से तनाव में था। पुलिस ने कहा कि महाराष्ट्र के नासिक के रहने वाले युवक ने उन्हें बताया कि वह आत्महत्या करने की योजना बना रहा था। कोटा शहर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) शरद चौधरी ने रविवार को मीडिया को बताया कि पुलिस टीमों ने लड़के को कुन्हारी थानांतर्गत लैंडमार्क सिटी में उसके हॉस्टल के कमरे से ढूंढ निकाला। पुलिस ने कहा कि काउंसलिंग के बाद उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। कुन्हारी के क्षेत्राधकारी डीएसपी खींव सिंह ने कहा कि युवक के 'इंस्टाग्राम' अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा गया था कि वह शनिवार दोपहर दो बजे आत्महत्या करने जा रहा है, लेकिन बाद में पता चला कि उसका खाता मध्य प्रदेश में रहने वाला पबजी समूह का एक अन्य दोस्त चला रहा था।

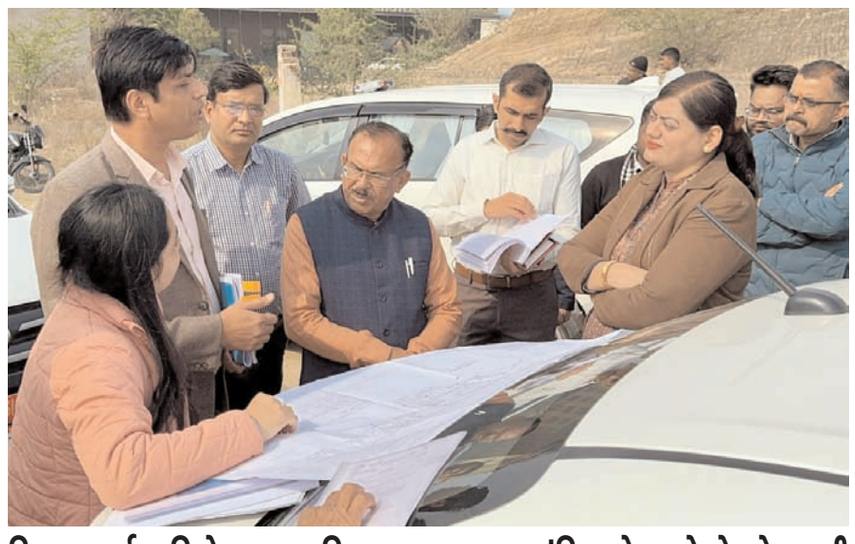

# विज्ञान पार्क परियोजना का शिलान्यास आचार संहिता से पहले हो : देवनानी

अजमेर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासूदेव देवनानी ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि अजमेर के बहुप्रतीक्षित 'विज्ञान पार्क' परियोजना का शिलान्यास लोकसभा चुनाव की आचारसंहिता लागू होने से पहले मार्च के पहले हफ्ते में ही कराया जाये। अजमेर उत्तर विधायक देवनानी सोमवार को यहां पंचशील नगर स्थित झलकारी बाई स्मारक के नजदीक प्रस्तावित साइंस पार्क जमीन का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने नक्शानवीस से पूरे प्रोजेक्ट को समझा और जमीन का अवलोकन किया। बाद में उन्होंने जिला कलक्टर एवं स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट अध्यक्ष डा. भारती दीक्षित के साथ अजमेर विकास प्राधिकरण एवं नगर निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि इसका जल्द शिलान्यास करा काम शुरू करें तथा दो वर्ष के भीतर इसे तैयार करने के लक्ष्य के साथ काम करें।

उल्लेखनीय है कि देवनानी विधायक रहते अपने उत्तर विधानसभा क्षेत्र में सांइस पार्क निर्माण को लेकर गम्भीर हैं।

# कांग्रेस सरकार की योजनाओं से 1.2 करोड़ परिवार गरीबी रेखा से ऊपर उठे : थावरचन्द गहलोत

## बजट सत्र के पूर्व विधानमंडल के दोनों सदनों को राज्यपाल ने किया संबोधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सोमवार को राज्य के विकास के मॉडल को पेश करते हुए कहा कि कर्नाटक सरकार द्वारा लागू की गई गारंटी योजनाओं के कारण 1.2 करोड़ से अधिक परिवार गरीबी रेखा से बाहर निकलकर मध्यम वर्ग की स्थिति में आ रहे हैं। बजट सत्र की शुरुआत में विधानमंडल के दोनों सदनों में अपने पारंपरिक संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि देश में सबसे अधिक कर संग्रह करने वाले राज्यों में दूसरे स्थान पर होने के बावजूद, प्रदेश को कर हिस्सेदारी कम मिलती है।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार पर कर बंटवारे में असमान वितरण का आरोप लगाती रही है। दिलचस्प बात यह है कि भाजपा विधायक आज कार्यवाही के दौरान भगवा शॉल पहने नजर आए और राज्यपाल के अभिभाषण के अंत में उन्होंने ''जय श्री राम'' और ''भारत माता की जय'' के नारे लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लागू की गई गारंटी योजनाओं के कारण 1.2 करोड़ से अधिक परिवार गरीबी रेखा से बाहर निकलकर मध्यम वर्ग की स्थिति तक पहुंचे हैं। गहलोत ने कहा कि विकास का मतलब न केवल आर्थिक विकास है बल्कि इसमें सतत विकास और सामाजिक सद्भाव भी शामिल है और इन कारकों के साथ सत्ता में आने के बाद से ही सरकार ''कर्नाटक मॉडल'' का पालन कर रही है। उन्होंने कहा, मेरी सरकार का उद्देश्य इस मॉडल को और मजबूत करना तथा कर्नाटक राज्य को पूरे देश में अद्वितीय बनाने का है। राज्यपाल ने कहा, ''यह एक वैश्विक रिकॉर्ड है कि मेरी सरकार के इस एक फैसले (गारंटी योजनाओं) से राज्य के 5 करोड़ से अधिक लोग मध्यम वर्ग की स्थिति में आ जाएंगे।''

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा शुरू की गई गारंटी योजनाएं देश के लिए एक मॉडल हैं और अन्य सरकारें इन योजनाओं को अपनाने के लिए विचार कर रही हैं। कांग्रेस सरकार की पांच गारंटी योजनाओं में – सभी घरों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली (गृह ज्योति), प्रत्येक परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपये की मासिक सहायता (गृह लक्ष्मी), बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को अतिरिक्त 5 किलो चावल के बदले नकद भुगतान (अन्न भाग्य), बेरोजगार स्नातक युवाओं को हर महीने 3,000 रुपये और बेरोजगार डिप्लोमा धारकों (दोनों 18-25 आयु वर्ग में) को दो साल के लिए 1,500 रुपये (युवानिधि) तथा सार्वजनिक परिवहन बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा (शक्ति) – शामिल हैं।

## कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने राज्यपाल से अभिभाषण के दौरान झूठ बुलवाया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस सरकार पर राज्यपाल थावरचंद गहलोत को विधानमंडल के दोनों सदनों में अपने पारंपरिक अभिभाषण में झूठ बोलने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। पार्टी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने पिछली भाजपा सरकार की योजनाओं को अपने कार्यक्रमों के रूप में पेश किया है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक और पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बजट सत्र की शुरुआत में राज्यपाल के अभिभाषण के बाद यह आरोप लगाया। अशोक ने कहा, कांग्रेस सरकार ने राज्यपाल से अपने अभिभाषण में झूठ बुलवाया है। कांग्रेस ने पिछली भाजपा सरकार द्वारा लाई गई योजनाओं और केंद्र सरकार की योजनाओं को अपना बताया है।

उन्होंने कहा कि शिवमोग्गा हवाई अड्डे का काम उस समय पूरा हुआ था जब भाजपा सत्ता में थी, मेट्रो रेल परियोजना केंद्र सरकार की है, और जल जीवन मिशन में भी केंद्र का योगदान है।

बोम्मई ने राज्यपाल के अभिभाषण को निराशाजनक बताया और कहा कि उन्होंने अब तक इतना नीरस अभिभाषण कभी नहीं सुना। उन्होंने कहा कि विकास के अभाव से पता चलता है कि वर्तमान सरकार जनविरोधी है।

## सुरंग सड़क के निर्माण का उद्देश्य बेंगलूरु में यातायात की भीड़ को कम करना है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सोमवार को कहा कि शहर में सुरंग सड़क के निर्माण का उद्देश्य बेंगलूरु महानगर क्षेत्र में यातायात की भीड़ को कम करना है। बजट सत्र की शुरुआत में विधानमंडल के दोनों सदनों में अपने पारंपरिक संबोधन में उन्होंने कहा कि बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) सीमा में सुरंग सड़क के निर्माण के लिए एक रिपोर्ट तैयार की जा रही है। राज्य की राजधानी में सरकार द्वारा शुरू की जा रही विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए, राज्यपाल ने कहा कि सेंट्रल सिल्क बोर्ड से कृष्णराजपुरम (19.75 किमी) तक बेंगलुरु मेट्रो रेल परियोजना चरण-2 ए और कृष्णराजपुरम से केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक चरण-2 बी कृष्णराजपुरम का काम प्रगति पर है जिन्हें जून 2026 तक पूरा करने की योजना बनाई गई है।

उन्होंने कहा कि कावेरी जल आपूर्ति चरण-5, को इस साल मार्च में चालू करने का इरादा है जो बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका में शामिल 110 गांव क्षेत्रों को 775 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) अतिरिक्त पेयजल की आपूर्ति करेगा।

# मध्य प्रदेश सरकार दिल्ली जाने वाले कर्नाटक के किसानों को तुरंत रिहा करें : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को मध्य प्रदेश सरकार से दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में भाग लेने जा रहे कर्नाटक के किसानों को तुरंत रिहा करने को कहा। सिद्दरामैया ने कहा, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा हुब्बल्ली के किसानों की गिरफ्तारी तब हुयी, जब वे कल दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के लिए जा रहे थे। यह अत्यधिक निंदनीय है। मैं मांग करता हूं कि मध्य प्रदेश सरकार हमारे राज्य के गिरफ्तार किए गए सभी किसानों को तुरंत रिहा करें और उन्हें अनुमति दें, जिससे वे कल दिल्ली में जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में भाग ले सकें। उन्होंने आरोप लगाया कि गिरफ्तारियां मप्र सरकार ने की हैं, लेकिन इसके पीछे की चाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की है।

सिद्दरामैया ने कहा, उन्हें गिरफ्तार करके और डराकर किसानों के संघर्ष को दबाया नहीं जा सकता। इस तरह के दमन से और अधिक किसान सड़कों पर उतर सकते हैं, लेकिन धरती के पुत्रों और पुत्रियों का संघर्ष बंद नहीं होगा। अगर केंद्र सरकार वास्तव में शांति और व्यवस्था की परवाह करती है, तो उसे किसानों की मांगों को तुरंत पूरा करना चाहिए और उन्हें चुप कराने के लिए दमन तथा क्रूरता करने के बजाय समस्या का समाधान करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, चाहे वह केंद्र में हो या राज्यों में, जब भी भाजपा सत्ता में आती है, इतिहास गवाह है कि उनकी आक्रामकता का पहला कदम किसानों के खिलाफ होता है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब पहली बार भाजपा कर्नाटक में सत्ता में आई, तो बीएस येडीयुरप्पा के नेतृत्व वाली सरकार ने उर्वरक मांगने वाले किसानों को गोली मार दी गयी। सिद्दरामैया ने कहा,केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा दिल्ली और उत्तर प्रदेश में प्रदर्शनकारी किसानों पर की गई हिंसा के कारण कई किसानों की मौत हो गई।

## सड़क दुर्घटना में दोपहिया चालक की मौत

बेंगलूरु। यहां एक सड़क दुर्घटना में एक दो पहिया वाहन सवार की बस की टक्कर में मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक राजेन्द्र (50) एक निजी कम्पनी में एकाउन्ट का काम करता था। जिसके लिए रोज वह मोटरसाइकिल से नागसान्द्रा से नेलमंगला जाता था। सोमवार को सुबह किसी काम से वह मेकरी सर्कल जा रहा था। रास्ते में यशवंतपुर मेट्रो स्टेशन के पास पीछे से आ रही एक केएसआरटीसी बस ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। जिससे वह असंतुलित होकर गिर पड़ा और उसके सिर में चोट आई जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

## विरोध मार्च के लिए दिल्ली जा रहे कर्नाटक के किसानों को भोपाल में लिया गया हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भोपाल। 'दिल्ली चलो' विरोध मार्च में शामिल होने के लिए कर्नाटक से आ रहे कम से कम 70 किसानों को सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मध्य प्रदेश के भोपाल रेलवे स्टेशन पर सोमवार को तड़के हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दिल्ली जाने वाली ट्रेन से जबरन उतारने और आगे यात्रा की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया और नारे लगाए।

सरकारी रेलवे पुलिस के अधिकारी ने कहा कि किसानों को तड़के संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन से उतार दिया गया और जिला अधिकारियों को सौंप दिया गया। किसान नेता और धारवाड़ जिला सचिव परशुराम इतिनगुड ने पीटीआई-भाषा को बताया ''भोपाल रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने तड़के करीब तीन बजे कुल 70 किसानों को हिरासत में लिया, जिसके बाद हमने विरोध प्रदर्शन किया।'' उन्होंने कहा कि किसानों का समूह किसान आंदोलन में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली जा रहा था। कई किसान संघों ने अपनी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देने वाले कानून की मांग के समर्थन में 13 फरवरी को एक मार्च करने का आह्वान किया है। किसानों की यह मांग उन शर्तों में से एक है जो उन्होंने 2021 में अपना आंदोलन वापस लेने के लिए सहमति व्यक्त करते समय लगायी थी।

**मुलाकात**

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को अल्पसंख्यक सिख, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध और जैन समुदायों के 200 प्रतिनिधियों और नेताओं के साथ 2024-25 के लिए बजट-पूर्व बैठक की और रिपोर्ट और अपीलें प्राप्त कीं। इस मौके पर मंत्री जमीर अहमद खान, केजे जॉर्ज, बीडीए अध्यक्ष एन.ए. हैरिस, मंत्री करीम खान, डी. सुधाकर, विधान परिषद सदस्य सलीम अहमद, डी. सुधाकर, केपीसीसी सचिव मेटिल्डा और कई अन्य नेता मौजूद थे।

## जेडीएस विधायक के बेटे पर कांस्टेबल पर हमले का मामला दर्ज

रायचूर/दक्षिण भारत। यहां देवदुर्गा विधानसभा क्षेत्र से जनता दल (एस) विधायक करेम्मा नायक के बेटे और सात अन्य के खिलाफ रेत ले जा रहे एक ट्रैक्टर को रोकने पर एक पुलिस कांस्टेबल पर हमला करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार को हुयी जब देवदुर्गा थाने के कांस्टेबल हनुमंतराया ने रेत लेकर जा रहे एक ट्रैक्टर को अवैध रेत खनने के संदेह में रोका और ट्रैक्टर तथा उसके चालक को जांच के लिए थाने ले गये।

पुलिस के अनुसार बाद में कांस्टेबल को विधायक के बेटे संतोष का फोन आया और उसने मिलने को कहा, जब कांस्टेबल मिलने पहुंचा तो कुछ लोगों ने उस पर हमला कर दिया और उसे बोलने भी नहीं दिया। पुलिस ने कहा कि घायल कांस्टेबल को अस्पताल ले जाया गया जहां उसका उपचार जारी है। उसने कहा कि कांस्टेबल की शिकायत के आधार पर संतोष और कथित घटना में शामिल सात अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। विधायक और उनके समर्थकों ने रविवार शाम को देवदुर्गा थाने के बाहर प्रदर्शन किया और अपने खिलाफ साजिश होने का आरोप लगाया।

पुलिस ने कहा, ''मामले में अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है, लेकिन हम जल्द ही संतोष और अन्य आरोपियों से पूछताछ करेंगे। हमारी जांच जारी है।'

## पति से झगड़े का गिरोह ने उठाया फायदा, पत्नी से किया बलात्कार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के कोप्पल जिले के गंगावती शहर में मदद के बहाने 6 सदस्य वाले गिरोह ने एक विवाहित महिला से बलात्कार किया। पुलिस ने बताया कि पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मुख्य आरोपी की तलाश जारी है। पांचों आरोपियों की पहचान मौला हुसैन, शिवकुमार, प्रशांत, महेश और मदेश के रूप में हुई है। मुख्य आरोपी की पहचान लिंगराज के रूप में हुई है।

पुलिस ने कहा कि बेंगलूरु की मूल निवासी 21 वर्षीय पीड़िता 9 फरवरी को रात करीब साढ़े नौ बजे गंगावती शहर में अपने पति से मिलने आई थी। पीड़िता अपने पति से मिली, लेकिन जल्द ही दंपति के बीच झगड़ा शुरू हो गया।

## मोदी को तीसरी बार पीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता : कुमारस्वामी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जद (एस) कर्नाटक के अध्यक्ष एच.डी. कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता। कुमारस्वामी ने मीडियाकर्मियों से कहा, मैंने इसे बहुत करीब से देखा है कि मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र-राज्य संबंधों के बीच भी दरारें साफ नजर आ रही हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने राज्य विधानसभा में 14 बजट पेश किए हैं, जो एक रिकॉर्ड है। फिर भी उनका आरोप है कि केंद्र राज्य के साथ अन्याय करता है। उन्होंने कहा, 'सिद्दरामैया अब दावा कर रहे हैं कि 15वें वित्त आयोग ने कर्नाटक राज्य के साथ अन्याय किया है। वित्त आयोग संविधान के प्रावधानों के अनुसार काम करता है।' उन्होंने कहा कि बीजेपी और जेडीएस के बीच सीट बंटवारे को लेकर कोई इशू नहीं है।


भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, (निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094182, 4541 फैक्स : 080-28094180

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

| | संशोधन-II दिनांक 12.02.2024 | संशोधन-I दिनांक 12.02.2024 |
|---|---|---|
| एनआईटी सं : | इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ई-टीएन-83/2023-24 दिनांक : 11.01.2024 | इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ई-टीएन-90/2023-24 दिनांक : 25.01.2024 |
| कार्य का नाम | आईडीएसएन परिसर, ब्यालालू गांव, बेंगलूरु में विभिन्न भवनों में यूपीएस के लिए बैकअप आपूर्ति के रूप में स्थापित एक्सआईड़ मेक की प्लांटे बैटरियों के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध। | आईडीएसएन, इस्ट्रैक, ब्यालालू गांव, में दोषपूर्ण एलटी केबलों का परीक्षण और सीधे जोड़ों को प्रदान करना। |
| निविदा का अनुमानित मूल्य | ₹ 18.83 लाख | ₹ 23.11 लाख |
| निविदा दस्तावेज विवरण | ई-निविदा | ई-निविदा |
| कार्य समापन अवधि | 12 माह / समान नियम और शर्तों के साथ अनुबंध को दो और वर्षों की अवधि के लिए बढ़ाने का प्रावधान है। | 15 दिन |
| निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि | 12.01.2024 को 16.00 बजे से 26.01.2024 को 16.00 बजे तक जिसे 07.02.2024 को 16.00 तक बढ़ाया गया था। अब 20.02.2024 को 16.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है । | 26.01.2024 को 16.00 बजे से 07.02.2024 को 16.00 बजे तक जिसे अब 20.02.2024 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है । |
| बोली स्पष्टीकरण | 13.01.2024 को 11.00 बजे से 27.01.2024 को 16.00 बजे तक जिसे 08.02.2024 को 16.00 तक बढ़ाया गया था। अब 21.02.2024 को 16.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है । | 27.01.2024 को 11.00 बजे से 08.02.2024 को 16.00 बजे तक जिसे अब 21.02.2024 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है । |
| बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख | 29.01.2024 को 16.00 बजे तक जिसे 09.02.2024 को 16.00 तक बढ़ाया गया था। अब 22.02.2024 को 16.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है । | 09.02.2024 को 16.00 बजे तक जिसे अब 22.02.2024 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है । |
| निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय | 30.01.2024 को 16.00 बजे तक जिसे 10.02.2024 को 16.00 तक बढ़ाया गया था। अब 23.02.2024 को 16.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है । | 10.02.2024 को 16.00 बजे तक जिसे अब 23.02.2024 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है । |
| निविदा खोलने की नियत तारीख और समय | 01.02.2024 को 11.00 बजे से जिसे 12.02.2024 को 11.00 से तक बढ़ाया गया था। अब 26.02.2024 को 11.00 बजे से तक और अधिक बढ़ाया गया है । | 12.02.2024 को 11.00 बजे से जिसे अब 26.02.2024 को 11.00 बजे से तक बढ़ाया गया है । |
| ईएमडी | ₹ 37,660/- | ₹ 46,220/- |

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in/tender से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

## सुविचार

**जितना हम दूसरों के साथ अच्छा करते हैं उतना ही हमारा हृदय पवित्र हो जाता है और भगवान उसमें बसता है।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# बड़ी कूटनीतिक जीत

कतर की जेल से भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों की रिहाई उनके परिवारों के लिए बहुत बड़ा शुभ समाचार है। यह देश के लिए भी अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। यह कहना ग़लत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार अपने आठ नागरिकों को मौत के मुंह से निकालकर ले आई। यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है, जिसके पीछे विदेश मंत्री एस जयशंकर और अन्य अधिकारियों का बहुत बड़ा योगदान है। इन आठ पूर्व कर्मियों पर कथित जासूसी के गंभीर आरोप थे। प्रायः हर देश में ऐसे आरोपों के तहत कड़ी सजा का प्रावधान होता है। कतर, सऊदी अरब, ईरान ... जैसे देशों में तो ऐसे आरोप लगने के बाद किसी व्यक्ति का बचना लगभग नामुमकिन समझा जाता है। वहां सार्वजनिक रूप से फांसी देने, तलवार से सिर कलम करने जैसी सजाएं देने का चलन है। हाल में ईरान ने चार लोगों को फांसी पर लटका दिया था, जिन पर इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के लिए जासूसी करने का आरोप था। इतनी गंभीर परिस्थितियों से जुड़ा मामला होने के बावजूद भारत के आठ पूर्व नौसैनिकों की रिहाई बताती है कि भारत सरकार ने बहुत सूझबूझ से काम लिया। निश्चित रूप से यह फैसला भारत-कतर के मधुर संबंधों का भी प्रमाण है। इस मामले में कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी की भूमिका अत्यंत प्रशंसनीय रही, जिन्होंने अदालती फैसले के बाद हस्तक्षेप करते हुए उक्त कर्मियों की रिहाई का रास्ता खोल दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में ही इस्लामी देशों के दौरे शुरू कर दिए थे। विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों से उनकी मुलाकात और गहरी मैत्री कई अवसरों पर दिखाई दी थी। उनके इस कदम से पाकिस्तान अलग-थलग पड़ा और उसके रक्षा विशेषज्ञों ने टीवी कार्यक्रमों में इस तथ्य को कई बार स्वीकार किया। प्रधानमंत्री मोदी पिछले साल दुबई में 'सीओपी28' शिखर सम्मेलन के दौरान कतर के अमीर से मिले थे तो इस बात को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं कि अब आठ पूर्व नौसैनिकों का जीवन बचाने के संबंध में कोई बड़ी घोषणा होगी। उसके बाद इन पूर्व कर्मियों की मौत की सजा को कम कर दिया गया। अब इनकी रिहाई हो गई। इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि जब इन पूर्व कर्मियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी तो पाकिस्तान में बहुत खुशी का माहौल था। पाकिस्तान की फौज, आईएसआई व कट्टरपंथी संगठनों के समर्थक यूट्यूबरों ने इसे सुनहरे मौके की तरह लिया था। वे पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव (जो पूर्व नौसैनिक हैं) का मामला उठाकर दुष्प्रचार को हवा दे रहे थे। कहीं ऐसा तो नहीं कि कतर में भारत के आठ पूर्व नौसैनिकों को झूठे आरोपों में फंसाने के पीछे पाक या चीन की खुफिया एजेंसियों की कोई साजिश हो? आज विदेशों, खासकर समृद्ध इस्लामी देशों में भारतीय कार्यबल बहुत मजबूत स्थिति में है। उनकी कंपनियों में भारतीय नागरिक बड़े-बड़े ओहदों पर हैं, जबकि पाकिस्तानी अपनी गलत हरकतों की वजह से कहीं भी विश्वसनीय नहीं समझे जाते। कंपनियां उन्हें महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी देने से परहेज करती हैं। विदेशी हवाईअड्डों पर किसी के पास पाकिस्तानी पासपोर्ट देखकर उसकी 'अच्छी तरह' से तलाशी ली जाती है और खूब जांच-पड़ताल होती है। भारत के जो पूर्व नौसैनिक कतर में कार्यरत थे, उन्हें विदेश में सैन्य कानूनों और उनके उल्लंघन के परिणामों की जानकारी थी। लिहाजा यह बात किसी के गले नहीं उतरती कि वे कतर जाकर (वह भी इतनी बड़ी संख्या में होकर) जासूसी जैसे कृत्य में शामिल हो जाएंगे! वहां सैन्य पृष्ठभूमि से आए विदेशी नागरिक के संवेदनशील स्थान पर तैनात होने का सीधा-सा मतलब है- एजेंसियों की कड़ी निगरानी में होना। इस सूरत में इतने लोग, वह भी एक ही देश से और एकसाथ जासूसी करने का खतरा क्यों मोल लेंगे? इस घटनाक्रम के तार कहीं और जुड़ते मालूम होते हैं। भविष्य में जब भी भारतीय नागरिक रोजगार के लिए विदेश जाएं तो उन्हें 'उचित' दिशा-निर्देश दिए जाएं, ताकि वे किसी साजिश के शिकार न हों।

## ट्वीटर टॉक

आर्य समाज के संस्थापक व महान राष्ट्र चिंतक 'महर्षि' स्वामी दयानन्द सरस्वती की जयंती पर वंदन। मानवता की भलाई के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर देने वाले स्वामी ने देश में बाल विवाह, सती प्रथा जैसी रूढ़िवादी परंपराओं के खिलाफ जनता को जागरूक किया था।

**-वसुंधरा राजे**

सड़कों का सुदृढ़ जाल सुगम परिवहन सुविधाओं सहित निर्माण और पर्यटन उद्योग के विकास में भी अहम भूमिका निभाता है। नितिन गडकरी जी के कर कमलों से छ 2500 करोड़ से अधिक के निवेश से 17 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण जनता को समर्पित अनमोल उपहार है।

**-दीया कुमारी**

भारत की कूटनीति की यह विश्व स्तर पर सबसे बड़ी विजय है। कतर ने जिन 8 भारतीयों को मौत की सजा सुनाई थी, वे सकुशल अपने देश लौट आए हैं। इस वीडियो में उनके प्रसन्न भाव युक्त चेहरे देखिए। भारत आज विश्व की अग्रिम पंक्ति में आगे खड़ा सबसे प्रमुख देश है।

**-सीपी जोशी**

## प्रेरक प्रसंग

# विरक्ति और भक्ति

सांगानेर (राजस्थान) में पैदा हुए पठान रज्जब अली संत दादूजी से बहुत प्रभावित थे। दादूजी ने देखा कि कुछ समय में ही रज्जब ने नशा और मांसाहार त्यागकर सात्विक वृत्ति अपना ली है। दादू को लगने लगा कि यह युवक उच्च कोटि का भक्त-साधक बनेगा। परिवार वालों ने रज्जब का विवाह तय कर दिया। रज्जब की बारात सांगानेर से आमेर जा रही थी। आमेर से कुछ मील पहले ही दादू की कुटिया थी। रज्जब उनसे आशीर्वाद लेने वहां पहुंचे। ध्यान से जैसे ही उठे कि उन्होंने अपने प्रिय शिष्य को दूल्हे के वेश में देखते ही कहा- तू तो भगवान का भजन करने व अपने सदविचारों से संसार का कल्याण करने आया था। अब संसार के प्रपंचों में फंसकर जीवन को नरक बना लेगा। रज्जब की विरक्ति भावना जाग उठी। उन्होंने अपने सिर का मौर उतारकर छोटे भाई को सौंपते हुए पिता से कहा, 'उस लड़की का विवाह इससे कर दें। मैं अविवाहित रहते हुए हरि भजन व संत सेवा करूंगा।' उसी क्षण से रज्जब गुरु दादूजी की सेवा व साधना में लग गए। दादू के भक्तिमय पदों के संकलन का ऐतिहासिक काम उन्होंने किया। संत रज्जब ने स्वयं भी असंख्य भक्ति पदों की रचना की।

## सामयिक

### कतर से भारतीय नौ सैनिक रिहा

# असर भारत की सफल कूटनीति का

**आर.के. सिन्हा**

कतर की जेल में बंद भारतीय नौसेनिकों को 18 महीने बाद जेल से रिहाई की सोमवार को जैसे ही खबर आई तो सारा देश ही झूम उठा। कुछ समय पहले इन अधिकारियों की मौत की सजा को अलग-अलग अवधि की जेल की सजा में बदल दिया गया था। तब देश को कम से कम यह संतोष तो था कि चलो हमारे नागरिकों की जान तो बच गई, पर देश यह भी प्रार्थना कर रहा था कि कतर की जेल में बंद भारतीय नागरिक रिहा होकर सकुशल देश वापस आ जाएं। बेशक, इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की विदेश नीति की बड़ी सफलता ही माना जाएगा कि कतर से फांसी की सजा घोषित हुए नागरिकों की आज रिहाई हो गई। वे सभी सकुशल और ससम्मान जनक तरीके से भारत की धरती पर वापस लौट आए। इस तरह से भारत की कुशल विदेश नीति को सारे संसार ने देखा और दांतों तले उंगलियाँ दबाकर आश्चर्य से देखते ही रह गये। अमूमन अरब देशों के शेख सामान्य तौर पर जासूसी के आरोप में सजा प्राप्त लोगों की सजा माफ नहीं करता ख

केन्द्र में मोदी सरकार के 2014 में गठन के बाद से भारत के अरब देशों के साथ संबंध लगातार सुधर रहे हैं। उसी के सार्थक परिणाम को भारतीय नौसैनिकों की रिहाई और घर वापसी के रूप में देखा जाना चाहिए। अब कुछ ही दिनों के बाद अबू धाबी में सनातन संस्कृति का भव्य मंदिर भी दुनिया देखेगी। 'अगर मोदी जी नहीं होते तो हम हिंदुस्तान की सरजमीं पर आज नहीं खड़े हो पाते'। अपनी रिहाई से खुश एक नौसैनिक ने भारत आने पर भारत मां की जय बोलते हुए कहा कि यदि नरेन्द्र मोदी ने खुद हस्तक्षेप नहीं किया होता तो आज हमारी रिहाई संभव नहीं थी। यह बड़ी उपलब्धि भारत के शक्तिशाली नेतृत्व का प्रभाव प्रमाण है। यह कूटनीतिक जीत 140 करोड़ देशवासियों की जीत है।

आज प्रधानमंत्री मोदी की सफल विदेश नीति का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। देश किस तेजी से बदल रहा है, यह जानने को लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की पूर्व छात्र नेता शेहला रशीद के उस बयान को देखना होगा। वो एक दौर में देश विरोधी शक्तियों के साथ जुड़ी हुई थीं। उन्होंने भी नौ सैनिकों की रिहाई के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मौत की सजा से घर वापसी तक : यह भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत है और इस तथ्य का प्रमाण है कि हमारी विदेश नीति प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सक्षम हाथों में है।' प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने फिर असंभव को संभव कर दिखाया है। शांत रहें और विश्वास रखें. कतर से लौटे पूर्व नौसैनिकों के परिवार को बधाई। तो आप समझ गए होंगे कि किस तरह से देश बदल रहा है। दरअसल, कतर के दोहा के अल दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज के साथ काम करने वाले भारतीय नौसेना के इन पूर्व जवानों को पिछले साल 28 दिसंबर को कतर की अपील अदालत ने राहत दी थी। अदालत ने तब अक्टूबर 2023 में इन्हें दी मौत की सजा को कम करते हुए 3 साल से लेकर 25 साल तक की अलग-अलग अवधि के लिए जेल की सजा सुनाई थी।

कतर की जेल में बंद भारतीयों की रिहाई से साफ है कि अब जहां पर भी भारतवंशी या भारतीय संकट में होते हैं तो भारत सरकार हाथ पर हाथ धर कर नहीं बैठती। रूस-यूक्रेन जंग के कारण हजारों भारतीय मेडिकल स्टुडेंट यूक्रेन में फंस गए थे। उन्हें भारत सरकार सुरक्षित स्वदेश लेकर आई। भारत के हजारों विद्यार्थी यूक्रेन में थे। वे वहां पर मेडिकल,डेंटल, नर्सिंग और दूसरे पेशेवर कोर्स कर रहे थे। ये रूस-यूक्रेन जंग को देखते हुए वहां से निकल कर स्वदेश आना चाहते थे। पहले तो किसी को समझ ही नहीं आ रहा था कि इतनी अधिक संख्या में यूक्रेन की राजधानी कीव और दूसरे शहरों में पढ़ रहे भारतीय नौजवानों को स्वदेश कैसा लाया जाएगा। पर इच्छा शक्ति हो तो सब कुछ संभव है। पिछले साल अफ्रीकी देश सूडान में सेना और अर्धसैनिक बल के बीच चल रहे भीषण गृहयुद्ध के चलते वहां हालात बद से बदतर हो गए थे। ऐसे में वहां फंसे हजारों भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाने को लेकर सारा देश चिंतित था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूडान में फंसे भारतीयों को जल्द से जल्द निकासी के लिए विदेश मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दिए। मतलब सरकार एक्शन मोड में आ गई। कुछ ही हफ्तों में वहां से सारे के सारे भारतीय सुरक्षित वापस स्वदेश आ गए।

अब अफगानिस्तान में गृहयुद्ध के दिनों को याद कर लें। भारतीय वायु सेना और एयर इंडिया के विमान लगातार अफगानिस्तान से भारतीयों को लेकर स्वदेश आते रहे थे। काबुल में जिस तरह के हालात बन गए थे उसमें सारे भारतीयों को लेकर आना कोई छोटी बात नहीं थी। इनको ताजिकिस्तान के रास्ते दिल्ली या देश के अन्य भागों में लाया जा रहा था।

कुछ विमान कतर के रास्ते भी आ रहे थे। भारत के अफगानिस्तान में दर्जनों बड़े प्रोजेक्ट चल रहे थे, इनमें अफगानिस्तान को खड़ा करने के लिए भारत हर तरह की मदद भी कर रहा था। भारत के हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट भी इस अशांत माहौल में फंस गए। इनसे हजारों भारतीय जुड़े हुए थे। इन्हीं भारतीयों को निकाला जा रहा था। भारत की तरफ से अफगानिस्तान बांध से लेकर स्कूल, बिजली घर से लेकर सड़कें, काबुल की संसद से लेकर पावर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स और हेल्थ सेक्टर समेत न जाने कितनी परियोजनाओं को तैयार किया जा रहा था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफगानिस्तान से देश के नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने और वहां से भारत आने के इच्छुक सिखों व हिंदुओं को शरण देने का अधिकारियों को निर्देश भी दे दिये। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के नियंत्रण के बाद भारत सरकार सक्रिय हो गई थी। जाहिर है, ये सब कदम उठाने के बाद भारतसरकार का इकबाल बुलंद हुआ। आप कह सकते हैं कि अब विदेश मंत्रालय हमेशा सक्रिय रहता है। अगर संकट भारत से बाहर रहने वाले भारतीयों पर आता है तो फिर इसके काम करने की गति कई गुना बढ़ जाती है।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

## मंथन

# स्वागत करें ज्ञान एवं सौभाग्यरूपी उजालों का

**ललित गर्ग**

**मोबाइल : 9811051133**

मन की, जीवन की, संस्कृति की, साहित्य की, प्रकृति की असीम कामनाओं का अनूठा त्योहार है बसंत पंचमी, जो हर वर्ष माघ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मनाया जाता है। दूसरे शब्दों में बसंत पंचमी का दूसरा नाम सरस्वती पूजा भी है। बसंत पंचमी को श्रीपंचमी, ज्ञान पंचमी भी कहा जाता है। माता सरस्वती को ज्ञान-विज्ञान, सूर-संगीत, कला, सौन्दर्य और बुद्धि की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती ने ही जीवों को वाणी के साथ-साथ विद्या और बुद्धि दी थी। इसलिए वसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा की जाती है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती की पूजा सबसे पहले भगवान श्रीकृष्ण ने की थी। बसंत पंचमी जीवन में नई चीजें शुरू करने का एक शुभ दिन है। बहुत से लोग इस दिन गृहप्रवेश' करते हैं, कोई नया व्यवसाय शुरू करते हैं या महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू करते हैं। विवाह के लिए भी बसंत पंचमी का दिन बहुत ही शुभ माना जाता है। इस त्योहार को अक्सर समृद्धि और सौभाग्य से जोड़ा जाता है।

बसंत पंचमी के साथ, यह माना जाता है कि वसंत ऋतु की शुरुआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरुआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माधुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मधुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है।

लोकमन के आह्लाद से मुखरित वसंत ही महक और फाल्गुनी बहक के स्वर इसका लालित्य है, यही इस त्योहार की परम्परा का आह्वान है। यही क्षण है व्यक्तिवादी मनोवृत्तियों को बदलने का, ईमानदार प्रयत्नों की शुरुआत का, इंसानियत की नींव को मजबूती देने का। बहुत जरूरी है मन और मस्तिष्क की क्षमताएं सही दिशा में नियोजित हों। निर्माण का हर क्षण इतिहास बने, इसके लिये पवित्र मन से सरस्वती की साधना जरूरी है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन ब्रह्मांड का निर्माण किया था। सृष्टि की रचना करके जब उन्होंने संसार में देखा तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जनता एवं नीरसता ही दिखाई दी। वातावरण बिल्कुल शांत एवं नीरस लगा जैसे किसी की वाणी ही न हो। यह सब देखने के बाद ब्रह्माजी संतुष्ट नहीं थे तब ब्रह्माजी ने भगवान विष्णुजी से अनुमति लेकर अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का। जल छिड़कने के बाद एक देवी प्रकट हुई। देवी के हाथ में वीणा थी। भगवान ब्रह्मा ने उनसे कुछ बजाने का अनुरोध किया ताकि पृथ्वी पर सब कुछ शांत न हो। परिणामस्वरूप, देवी ने कुछ संगीत बजाना शुरू कर दिया। तभी से उस देवी को वाणी और ज्ञान की देवी सरस्वती के नाम से जाना जाने लगा। उन्हें वीणा वादिनी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि देवी सरस्वती ने वाणी, बुद्धि, बल और तेज प्रदान किया। इसीलिये बसंत पंचमी का सांस्कृतिक और धार्मिक दोनों ही महत्व है। यह ज्ञान, संगीत, कला, सौंदर्यशास्त्र की देवी सरस्वती का त्योहार है। महाभारत के शांति पर्व में उन्हें वेदों की माता कहा गया है। वह अज्ञानता, अविद्या और अंधकार को दूर कर गर्मी, चमक, प्रकाश, माधुर्य, सद्भाव, पवित्रता और प्रसन्नता का संचार करती है। बसंत को ऋतुओं का राजा अर्थात सर्वश्रेष्ठ ऋतु माना गया है। इस समय पंचतत्व अपना प्रकोप छोड़कर सुहावने रूप में प्रकट होते हैं। पंच-तत्त्व- जल, वायु, धरती, आकाश और अग्नि सभी अपना मोहक रूप दिखाते हैं। आकाश स्वच्छ है, वायु सुहावनी है, अग्नि (सूर्य) रुचिकर है तो जल पीयूष के समान सुखदाता और धरती, उसका तो कहना ही क्या वह तो मानो साकार सौंदर्य का दर्शन कराने वाली प्रतीत होती है। ठंड से ठिठुरे विहंग अब उड़ने का बहाना ढूंढते हैं तो किसान लहलहाती जौ की बालियों और सरसों के फूलों को देखकर नहीं अघाते। धनी जहाँ प्रकृति के नव-सौंदर्य को देखने की लालसा प्रकट करने लगते हैं तो वहीं निर्धन शिशिर की प्रताड़ना से मुक्त होने पर सुख की अनुभूति करने लगते हैं। सच! प्रकृति तो मानो उन्मादी हो जाती है। हो भी क्यों ना! पुनर्जन्म जो हो जाता है प्रकृति का। श्रावण की पनपी हरियाली शरद के बाद हेमन्त और शिशिर में वृद्धा के समान हो जाती है, तब बसंत उसका सौन्दर्य लौटा देता है। नवगात, नवपल्लव, नवकुसुम के साथ नवगंध का उपहार देकर विलक्षण बना देता है।

बसंत पंचमी एक उत्सव ही नहीं बल्कि एक प्रेरणा भी है। बसंत पंचमी सिखाती है कि पुराने के अंत के साथ ही नए का सृजन भी होता है। असल में अंत और शुरुआत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बसंत ऋतु के आने से पहले पतझड़ का उदास मौसम होता है, लेकिन बसंत पंचमी के साथ ही बसंत ऋतु भी दस्तक देती है और बसंत ऋतु में पतझड़ से खाली हुए पेड़ पौधों में फिर से एक चमक, एक सुंदरता उतर आती है। जीवन का दस्तूर भी कुछ ऐसा ही है। पतझड़ की तरह खालीपन आता है लेकिन सब्र का दामन ना छोड़ें तो बसंत की बहार भी आती है। पूरे मन एवं आस्था से सरस्वती की पूजा एवं साधना करें ताकि आपकी वाणी मधुर हो, स्मरण शक्ति तीव्र हो, सौभाग्य की प्राप्ति हो, विद्या की प्राप्ति हो। सरस्वती पूजा से पति-पत्नी और बंधुजनों का कभी वियोग नहीं होता है तथा दीर्घायु एवं निरोगता प्राप्त होती है। इस दिन भक्तिपूर्वक ब्राह्मण के द्वारा स्वस्ति वाचन कराकर गंध, अक्षत, श्वेत पुष्प माला, श्वेत वस्त्रादि उपचारों से वीणा, अक्षमाला, कमण्डल, तथा पुस्तक धारण की हुई सभी अलंकारों से अलंकृत सरस्वती का पूजन करें। सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक है। यह रंग शिक्षा देता है कि अच्छी विद्या और अच्छे संस्कारों के लिए आवश्यक है कि आपका मन शांत और पवित्र हो।

सभी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मेहनत के साथ ही माता सरस्वती की कृपा भी उतनी आवश्यक है। यदि आपका मन शांत और पवित्र नहीं होगा तो देवी की कृपा प्राप्त नहीं होगी और न ही पढ़ाई में सफलता मिलेगी। मां सरस्वती हमेशा सफेद वस्त्रों में होती हैं। इसके दो संकेत हैं पहला यह कि हमारा ज्ञान निर्मल हो, विकृत न हो, अहंकारमुक्त हो। जो भी ज्ञान अर्जित करें वह सकारात्मक हो। दूसरा संकेत हमारे चरित्र को लेकर है। कोई दुर्गुण हमारे चरित्र में न हो। मां ने शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं, ये शुभ्रवस्त्र हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाना चाहिए और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करना चाहिए।

## विशेष

# सरस्वती पूजा : ज्ञान एवं विद्या का पर्व

**ई. प्रभात किशोर**

**मोबाइल : 8544128428**

भारतवर्ष धर्मों, आस्थाओं और पर्व-त्योहारों का देश है। यहां जितने त्योहार मनाए जाते हैं, दुनिया के शायद हीं किसी देश को यह सौभाग्य प्राप्त है । प्रत्येक त्योहार के अपने-अपने रीति-रिवाज, अवसर और महत्ता हैं। सरस्वती पूजा वसंत ऋतु के आगमन की दस्तक देनेवाला एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह भारतीय पंचांग के माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है, जिस कारण इसे देश के कुछ हिस्सों में वसंत पंचमी, श्री पंचमी या सरस्वती पंचमी भी कहा जाता है। यह त्योहार आमतौर पर ग्रेगोरियन कैलेंडर के अंतिम जनवरी या फरवरी माह में पड़ता है। दक्षिण भारत में, सरस्वती पूजा को नवरात्रि उत्सव (जो आमतौर पर अक्टूबर/नवंबर में पड़ता है) के दौरान आयुध पूजा के रूप में भी मनाया जाता है।

सरस्वती पूजा की अपनी विशेष महत्ता है, क्योंकि इस दिन नन्हें बच्चे वर्णमाला के प्रथम अक्षर को सीखते हुए शिक्षा के क्षेत्र में अपना पहला कदम रखते हैं और इस अवसर को अक्षर अभ्यासम , विद्या आरंभम या पट्टी पूजन के रूप में जाना जाता है। इस दिन मंदिरों, स्कूलों, कॉलेजों, शैक्षणिक संस्थानों, संगीत और सांस्कृतिक उपक्रमों के साथ-साथ अन्य सार्वजनिक स्थलों पर छात्रों, शिक्षकों एवं आमजनों के द्वारा श्रद्धापूर्वक मां सरस्वती की विधि-विधान के साथ उपासना की जाती है।

सरस्वती पूजा में पीले एवं श्वेत रंगों का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पीला रंग शुभ होता है तथा यह उर्जा, ज्ञान, विद्या एवं समृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है जबकि श्वेत रंग प्रकाश, ज्ञान एवं सत्य का प्रतीक है। माँ सरस्वती को पीले या श्वेत रंग के वस्त्रों से सुसज्जित किया जाता है तथा श्रद्धालुजन स्वयं भी पारंपरिक रूप से पीले या श्वेत वस्त्र धारण करते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार जब हम पीला रंग देखते हैं, तो हमारा शरीर सेरोटोटीन नामक एक विशेष हार्मोन उत्सर्जित करता है, जिससे तनाव में कमी आती है और मस्तिष्क मजबूत होता है।

माँ सरस्वती अपनी चार भुजाओं में क्रमशः पुस्तक, माला, जलपात्र और वीणा धारण करती हैं, जिनका प्रतीकात्मक महत्व है। पुस्तक वेद या शिक्षा का, माला ध्यान और आध्यात्म का, जल पात्र सही से गलत को अलग करने की शक्ति को शुद्ध करने का तथा वीणा सभी रचनात्मक कलाओं एवं विज्ञान का प्रतीक है। उनकी चार भुजाएँ चार पक्षों के साथ-साथ सीखने संबंधी मानव व्यक्तित्व के चार पहलुओं यथा-मानस (मन), बुद्धि , चित्त (सतर्कता), और अहंकार को दर्शाती हैं। उनका वाहन हंस एक पवित्र पक्षी है, जो दूध और पानी के मिश्रण से सिर्फ शुद्ध दुध का सेवन करता है तथा इस तरह अच्छे एवं बुरे के बीच से अच्छे को अलग

करने की क्षमता का प्रतीक है। कभी-कभी मयूर को भी देवी के चरणों के पास बैठे दर्शाया जाता है, जो वैभव और समृद्धि का प्रतीक है।

माँ सरस्वती त्रिदेवी-सरस्वती, लक्ष्मी और पार्वती का एक हिस्सा हैं, जो सर्वशक्तिमान त्रिदेव-ब्रह्मा, विष्णु और महेश से जुड़ी हैं। नवरात्र के दौरान सातवें दिन विद्या और ज्ञान की देवी के सम्मान में, देवी को महासरस्वती के रूप में पूजन किया जाता है। देवी सरस्वती का ऋग्वेद, उपनिषद और अन्य धर्मशास्त्रों में उल्लेख है और वे वैदिक काल से आधुनिक काल तक हर युग में महत्वपूर्ण रही हैं। महाभारत के शांति पर्व में इन्हें वेदों की माता कहा गया है। ऋग्वेद में एक पवित्र नदी के साथ-साथ एक देवी के रूप में उनकी स्तुति की गयी है। ऋग्वेद-2.041.16 के अनुसार, अम्बितमे नादितमे देवीतमे सरस्वती, अर्थात सरस्वती माताओं में सर्वश्रेष्ठ, नदियों में सबसे शक्तिशाली और देवी-देवताओं में सर्वोच्च है। पौराणिक रूप से, वह अदृश्य रूप में प्रयाग में त्रिवेणी संगम की पवित्र नदियों में से एक है। पद्म पुराण और स्कंद पुराण के श्रृष्टि खंड में सरस्वती के पृथ्वी पर नदी रूप धारण करने का विस्तृत उल्लेख है। देवी को कश्मीर शक्ति पीठ में महासरस्वती और श्रृंगेरी में शारदंबा के रूप में जाना जाता है। प्राचीन शारदा पीठ उत्तरी कश्मीर के पाक-कब्जे वाले हिस्से में किशनगंगा नदी (अब इसका नाम बदलकर नीलम कर दिया गया है) के तट पर स्थित है, और देवी सरस्वती के सबसे प्राचीन जीवंत मंदिरों में से एक है। प्राचीन महाशक्ति पीठों में से एक शारदा पीठ में देवी सती का दाहिना हाथ गिरा था, जिस कारण भारतीय संस्कृति में इसका विशेष आध्यात्मिक महत्व है।

जैन धर्म में भी, सरस्वती को शिक्षा के स्रोत की देवी और तीर्थंकरों के प्रसार के लिए जिम्मेदार माना जाता है। बौद्ध संप्रदाय में, सरस्वती को मंजुश्री (बोधिसत्व का ज्ञान) की संगिनी के रूप में निरूपित किया गया है। सरस्वती पूजा भारत, नेपाल, बाली (इंडोनेशिया), थाईलैंड (पहले स्याम), बर्मा (पहले ब्रह्म देश), पाकिस्तान, बांग्ला देश, भूटान, मॉरीशस, सूरीनाम, फिजी, जापान और तिब्बत जैसे देशों में अपने स्वयं स्थानीय रीति-रिवाज के अनुसार बड़ी धूमधाम से मनायी जाती है। मां सरस्वती भाषा, संगीत और कला की देवी हैं। वह सत्त्वगुण और ज्ञान शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं। वह ज्ञान की स्वामी और ब्रह्मांड की रक्षक है। ऐसा माना जाता है कि हर बौद्धिक गतिविधि की शुरुआत सरस्वती वंदना से करनी चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

# 'अहलान मोदी' कार्यक्रम का समय यूएई में खराब मौसम के कारण कम किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अबू धाबी में मंगलवार को आयोजित जिस 'अहलान मोदी' सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित करने वाले हैं उसका समय संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खराब मौसम के कारण कम कर दिया गया है। कार्यक्रम की तैयारियों से जुड़े एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अरब भाषा में 'अहलान मोदी' का मतलब 'हैलो मोदी' है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार से यूएई की दो दिवसीय यात्रा शुरू करेंगे जहां वह अबू धाबी में निर्मित भव्य बीएपीएस मंदिर का 14 फरवरी को उद्घाटन करेंगे।

पूरे संयुक्त अरब अमीरात में रातभर भारी बारिश और गरज के साथ बिजली चमकने की घटना दर्ज की गई। बारिश से यातायात जाम के साथ जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई जिसके कारण 'अलहान मोदी' कार्यक्रम को छोटा करने का निर्णय लिया गया। समुदाय के नेता सजीव पुरुषोतमन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अबू धाबी के 'जायद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम' में प्रधानमंत्री मोदी के अब तक के सबसे बड़े प्रवासी कार्यक्रमों में से एक की तैयारी अच्छी चल रही थी, लेकिन खराब मौसम के कारण इसमें लोगों की भागीदारी को 80,000 से घटाकर 35,000 कर दिया गया।

पहले यह बताया गया था कि लोगों को पंजीकृत करने के लिए स्थापित एक वेबसाइट के माध्यम से 60,000 लोगों ने पहले ही अपनी उपस्थिति की पुष्टि कर दी थी। इस कार्यक्रम में केवल भारतीय मूल के व्यक्ति ही शामिल होंगे। पुरुषोतमन के अनुसार, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वालों सहित 35,000 से 40,000 लोग इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर 1000 से अधिक स्वयंसेवक तैनात रहेंगे और 500 से अधिक बसें संचालित की जाएंगी। अबू धाबी में भारतीय दूतावास के एक सूत्र ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा संबोधित किए जाने वाले सार्वजनिक कार्यक्रम में 45,000 लोग शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने इसके पहले तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ 'हाउडी, मोदी!' नामक एक विशाल सामुदायिक कार्यक्रम को 22 सितंबर, 2019 को टेक्सास के ह्यूस्टन में संबोधित किया था। यूएई में कम से कम 35 लाख भारतीय रहते हैं।

# मोहन भागवत ने एकता, अहिंसा और सौहार्द से रहने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों से एकता, अहिंसा और सद्भाव के मार्ग पर चलने का आह्वान करते हुए सोमवार को कहा कि भारत का दर्शन सर्वोच्च है और दुनिया अपनी समस्याओं के समाधान के लिए देश की ओर देख रही है। भागवत ने जैन तीर्थंकर महावीर के 2550वें निर्वाण वर्ष के उपलक्ष्य में यहां आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों के लोग अपनी भौतिक जीवनशैली की वजह से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि अब विश्व अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उम्मीद के साथ भारत की ओर देख रहा है और वे समझ गए हैं कि उनका भौतिकतावादी जीवन आंतरिक प्रसन्नता नहीं देता। संघ प्रमुख ने कहा, सभी हमारे अपने हैं। यह सच है। भौतिकतावादी चीजों में कोई प्रसन्नता नहीं है। व्यक्तिवाद छोड़िए। आपको अलग-अलग नहीं रहना। एक दूसरे के साथ सौहार्द से रहें, अहिंसा का पालन करें, धैर्य रखें, चोरी नहीं करें। उन्होंने कहा, हमारा समाज पूर्ण सत्य की खोज के लिए अलग-अलग रास्ते चुनता है। रास्ते अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मंजिल एक ही है... हमारे समाज में, कई श्रेणियां हैं--जैन, सिख। लेकिन इस देश के होने के नाते हम सब एक हैं। और एक रहकर ही हमें राष्ट्र का निर्माण करना है।

भागवत ने कहा कि भारत के लोग और दुनिया के दूसरे हिस्सों के लोग पूर्ण सत्य और आंतरिक प्रसन्नता की खोज के लिए अलग-अलग मार्ग चुनते हैं। उन्होंने कहा, भारत और दुनिया की खोज में यह अंतर है कि उन्होंने बाहरी दृश्य दुनिया में अन्वेषण के बाद इसे रोक दिया और हमने बाहरी खोज के बाद अपने अंदर इसे खोजना शुरू किया और सत्य को पहचाना। भागवत ने कहा, दुनिया में बहुत दुख है।

## हिरासत

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रोफेसर डॉ. के आवास के सामने त्रिपुरा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में बंगाली के साथ-साथ कोकबोरोक भाषा के लिए रोमन लिपि की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान त्रिप्रा मोथा छात्र संगठनों के सदस्यों को पुलिस हिरासत में लेती हुई।

# कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तानियों की मेहमान-नवाजी की तारीफ में कसीदे काढ़े

लाहौर/दक्षिण भारत । कांग्रेस नेता और पूर्व भारतीय राजनयिक मणिशंकर अय्यर ने कहा है कि उनका जितना खुले दिल से पाकिस्तान में स्वागत हुआ, उतना किसी और देश में नहीं हुआ। 'डॉन' समाचार पत्र ने अय्यर के हवाले से कहा, मेरा अनुभव कहता है कि पाकिस्तानी दूसरे पक्ष को लेकर शायद जरूरत से अधिक प्रतिक्रिया देते हैं। यदि हम मित्रवत हैं तो उनका व्यवहार बहुत अधिक दोस्ताना होगा और यदि हम शत्रुतापूर्ण हैं तो उनका व्यवहार बहुत अधिक शत्रुतापूर्ण होगा। कांग्रेस सांसद ने शनिवार को लाहौर के अलहमरा में फैज महोत्सव के दूसरे दिन 'हिज्र की राख, विसाल के फूल, भारत-पाक मामले' शीर्षक वाले सत्र के दौरान यह टिप्पणी की।

रिपोर्ट के अनुसार, अय्यर ने कहा कि उनका किसी भी और देश में ऐसा खुले दिल से स्वागत नहीं किया गया, जैसा पाकिस्तान में किया गया। उन्होंने कहा कि जब वह कराची में महावाणिज्य दूत के रूप में तैनात थे, तो हर कोई उनकी और उनकी पत्नी की देखभाल किया करता था। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी पुस्तक 'मेमोयर्स ऑफ ए मेवरिक' में ऐसी कई घटनाओं के बारे में लिखा है, जो पाकिस्तान को भारतीयों की कल्पना से बिल्कुल अलग देश के रूप में दिखाती हैं। अय्यर ने कहा कि सद्भावना की आवश्यकता थी लेकिन 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार सरकार के गठन के बाद से पिछले 10 साल में सद्भावना के बजाय विपरीत स्थिति पैदा हुई है।

## प्रेस कॉन्फ्रेंस

नई दिल्ली में सोमवार को फिट इंडिया के राजदूत और आइकन, भारतीय पहलवान, अभिनेता और प्रेरक वक्ता, संग्राम सिंह के साथ अली अल असेरी, दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल और अभिनेत्री पायल रोहतगी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान।

# मेरे किरदार को नहीं, बल्कि मेरे गाने को लोग याद रखते हैं : शिल्पा शेट्टी

मुंबई/एजेन्सी

'मैं आई हूं यूपी बिहार लूटने', 'आइला रे' से लेकर 'जीने के इशारे' और 'शट अप एंड बाउंस' तक, शिल्पा शेट्टी ने कई आइकोनिक सॉन्ग दिए हैं, जो आज भी लोगों के बीच हिट हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि फैंस शायद मेरी फिल्में भूल सकते हैं, लेकिन मेरे गाने हमेशा याद रहे हैं। गानों के साथ-साथ अपने निभाए किरदारों के यादगार होने के बारे में बात करते हुए शिल्पा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, मुझे खुशी है कि लोग ऐसा महसूस करते हैं। 1993 में 'बाजीगर' से डेब्यू करने वाली शिल्पा ने कहा, 'मुझे लगता है कि 90 के दशक की फिल्में गोल्ड थीं। आप फिल्मों को भूल सकते हैं, हो सकता है कि मेरी फिल्में बॉक्स-ऑफिस पर अच्छी नहीं रही, लेकिन मेरे गाने हमेशा अच्छा परफॉर्म करते हैं। हो सकता है कि आपको मेरे द्वारा निभाए गए किरदार का नाम याद न हो, लेकिन आपको मेरे गाने के नाम जरुर याद होंगे।' मैंगलोर में जन्मी स्टार अपने करियर का श्रेय म्यूजिक को देती हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'मैं म्यूजिक को सारा श्रेय देती हूं क्योंकि हमारे बहुत सारे करियर इसी के आधार पर बने हैं। मैंने सभी म्यूजिक कंपनियों के साथ फिल्में की, क्योंकि उन्होंने मुझे लकी पाया और मैं भी इस बात पर जोर देती हूं कि म्यूजिक कितना जरुरी है।' एक्ट्रेस का मानना है कि फिल्मों को हिट बनाने में म्यूजिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

# फ़िल्म फिदा के अगले हिस्से की शूटिंग मुंम्बई में हुई शुरू

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी फ़िल्म जगत के हीरो प्रदीप पाण्डेय चिंटू अभिनीत फिल्म फिदा के बाकी हिस्से की शूटिंग आज से मुम्बई में शुरू कर दी गई है। फ़िल्म फिदा की लगभग 90 प्रतिशत शूटिंग बीते महीने में उत्तरप्रदेश के बनारस, मिर्जापुर के आसपास की गई है ।

फ़िल्म फिदा में बॉर्डर पार के प्रेम सबन्धों और एक सैनिक की अपने देश के प्रति कर्त्तव्य और प्रतिबद्धता के साथ निजी जीवन की मजबूरियों को दिखाने की कोशिश की गई है । फ़िल्म फिदा के बारे में बात करते हुए प्रदीप पाण्डेय चिंटू ने बताया हमने एक बेहतरीन फ़िल्म बनाई है और इसकी बेहतरी के लिए ही हमने ये शेड्यूल मुम्बई में लगाया है जिससे कोई कसर बाकी ना रह जाये । हम लोग पूरी टीम ने जबरदस्त तरीके से मेहनत करके अपना काम ईमानदारी से किया है , और अब रिजल्ट तो दर्शक ही देंगे । अब हमारी कोशिश यही रहेगी कि इस फ़िल्म को जल्द थियेटर तक लेकर आया

रवि इंटरप्राइजेज के बैनर तले बन रही फिल्म फिदा के निर्माता जनक शाह है जबकि निर्देशन दिनकर कपूर ने किया है।

फ़िल्म फिदा के लेखन का कार्य वीरू ठाकुर ने किया है ,वहीं फ़िल्म फिदा का संगीत निर्देशन राजकुमार पांडेय एवं गुणवंत सेन ने किया है। फिदा के गानों पर नृत्य निर्देशन कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी, रामदेवन एमके गुप्ता जय ने किया है।

# हाथी दांत के सबसे बड़े शिकार गिरोह का खुलासा करेगी क्राइम ड्रामा सीरीज 'पोचर्स'

मुंबई/एजेन्सी

क्राइम ड्रामा सीरीज 'पोचर्स' की कार्यकारी निर्माता बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अवैध शिकार के बारे में एक जागरूकता वीडियो शेयर किया है, जिसमें आलिया ने कहा, हत्या तो हत्या है। रिची मेहता द्वारा लिखित, निर्मित और निर्देशित, 'पोचर्स' में निमिषा सजयन, रोशन मैथ्यू और दिब्येंदु भट्टाचार्य हैं, यह सीरीज सच्ची घटनाओं पर आधारित है और भारत में हाथी दांत के सबसे बड़े शिकार गिरोह का खुलासा करती है। इंस्टाग्राम पर प्राइम वीडियो द्वारा शेयर किए गए वीडियो में, आलिया गंभीर दिखाई दे रही है, उन्हें जंगल में एक भरी हुई राइफल और गोलियों के खोल दिखाई देती है।

वीडियो में आलिया को कहते हुए सुना जा सकता है, अशोक का मर्डर सुबह 9 बजे रिपोर्ट हुआ। यह इस महीने का तीसरा हादसा है। शव क्षत-विक्षत हालत में हैं। अशोक बस 10 साल का था, उसने अपने हत्यारों को देखा तक नहीं। वे सोच सकते हैं कि वे इससे बच जायेंगे, लेकिन ऐसा नहीं करेंगे। सिर्फ इसलिए कि अशोक हममें से नहीं था, यह अपराध छोटा नहीं हो जाता क्योंकि हत्या तो हत्या होती है। कहानी भारतीय वन सेवा अधिकारियों, एनजीओ कार्यकर्ताओं, पुलिस और अच्छे लोगों पर आधारित है, जिन्होंने इस जांच को ट्रैक करने की कोशिश में अपनी जान जोखिम में डाल दी। आलिया अपनी प्रोडक्शन कंपनी इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के साथ सीरीज की कार्यकारी निर्माता हैं।

# खलनायकी की दुनिया के बेताज बादशाह थे प्राण

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड में प्राण एक ऐसे अभिनेता के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने खलनायकी के क्षेत्र में एकछत्र राज किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। प्राण का जन्म 12 फरवरी 1920 को दिल्ली में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। उनके पिता केवल कृष्ण सिकंद सरकारी ठेकेदार थे। उनकी कंपनी सड़कें और पुल बनाने के ठेके लिया करती थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राण अपने पिता के काम में हाथ बंटाने लगे।एक दिन पान की दुकान पर उनकी मुलाकात लाहौर के मशहूर पटकथा लेखक वली मोहम्मद से हुई। वली मोहम्मद ने प्राण की सूरत देखकर उनसे फिल्मों में काम करने का प्रस्ताव दिया। प्राण ने उस समय वली मोहम्मद के प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया लेकिन उनके बार-बार कहने पर वह तैयार हो गये।

फिल्म ..यमला जट .. से प्राण ने अपने सिने करियर की शुरुआत की। फिल्म की सफलता के बाद प्राण को यह महसूस हुआ कि फिल्म इंडस्ट्री में यदि वह करियर बनायेगें तो ज्यादा शोहरत हासिल कर सकते है। इस बीच भारत-पाकिस्तान बंटवारे के बाद प्राण लाहौर छोड़कर मुंबई आ गये। इस बीच प्राण ने लगभग 22 फिल्मों में अभिनय किया और उनकी फिल्में सफल भी हुयी लेकिन उन्हें ऐसा महसूस हुआ कि मुख्य अभिनेता की बजाय खलनायक के रूप में फिल्म इंडस्ट्री में उनका भविष्य सुरक्षित रहेगा ।

वर्ष 1948 में उन्हें बांबें टॉकीज की निर्मित फिल्म ..जिद्दी.. में बतौर खलनायक काम करने का मौका मिला। फिल्म की सफलता के बाद प्राण ने यह निश्चय किया कि वह खलनायकी को ही करियर का आधार बनायेगें और इसके बाद प्राण ने लगभग चार दशक तक खलनायकी की लंबी पारी खेली और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन

किया । जब प्राण रूपहले पर्दे पर फिल्म अभिनेता से बात करते होते तो उनके बोलने के पहले दर्शक बोल पड़ते यह झूठ बोल रहा है,इसकी बात पर विश्वास नहीं करना यह प्राण है, इसकी रग-रग में मक्कारी भरी पड़ी है। वर्ष 1958 में प्रदर्शित फिल्म अदालत में प्राण ने इतने खतरनाक तरीके से अभिनय किया कि महिलाएं हॉल से भाग खड़ी हुयीं और दर्शकों को पसीने आ गये।

सत्तर के दशक में प्राण खलनायक की छवि से बाहर निकलकर चरित्र भूमिका पाने की कोशिश में लग गये । वर्ष 1967 में निर्माता -निर्देशक मनोज कुमार ने अपनी फिल्म ..उपकार .. में प्राण को मलंग काका का एक ऐसा रोल दिया जो प्राण के सिने करियर का मील का पत्थर साबित हुआ । फिल्म ..उपकार .. में प्राण ने मलंग काका के रोल को इतनी शिद्दत के साथ निभाया कि लोग प्राण के खलनायक होने की बात भूल गये। इस फिल्म के बाद प्राण के पास चरित्र भूमिका निभाने का तांता सा लग गया ।इसके बाद प्राण ने सत्तर से नब्बे के दशक तक अपने चरित्र भूमिकाओं से दर्शकों का मन मोहे रखा । सदी के खलनायक प्राण की जीवनी भी लिखी जा चुकी है जिसका टाइटल.. एंड प्राण. रखा गया है । पुस्तक का यह टाइटल इसलिए रखा गया है कि प्राण की अधिकतर फिल्मों में उनका नाम सभी कलाकारों के पीछे..और प्राण.. लिखा हुआ आता था। कभी.कभी उनके नाम को इस तरह पेश किया जाता था.. एबॉव आल प्राण। प्राण ने अपने चार दशक से भी ज्यादा लंबे सिने करियर में लगभग 350 फिल्मों मे अपने अभिनय का जौहर दिखाया।

प्राण के मिले सम्मान पर यदि नजर डालें तो अपने दमदार अभिनय के लिये वह तीन बार सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2013 में प्राण को फिल्म जगत के सर्वश्रेष्ठ सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार दिया गया था। प्राण को उनके कैरियर के शिखर काल में फिल्म के नायक से भी ज्यादा भुगतान किया जाता था। .डॉन. फिल्म में काम करने के लिए उन्हें नायक अमिताभ बच्चन से ज्यादा रकम मिली थी। अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाले प्राण 12 जुलाई 2013 को इस दुनिया को अलविदा कह गये।

# 'कुछ रीत जगत की ऐसी है' 19 को होगा लांच

मुंबई/वार्ता

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर 19 फरवरी को सीरियल कुछ रीत जगत की ऐसी है लांच होगा। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की नवीनतम पेशकश, कुछ रीत जगत की ऐसी है में घरेलू, हौसले से भरी और जिम्मेदार नंदिनी हमारे देश में मौजूद पारंपरिक दहेज प्रथा को चुनौती देती नजर आती है। कुछ रीत जगत की ऐसी है के केंद्र में मीरा देवस्थले द्वारा निभाया गया नंदिनी का किरदार है। नंदिनी महिलाओं के आत्म-सम्मान को अपमानित करने वाली सदियों पुरानी मान्यताओं को चुनौती देने वाली ताकत का प्रतीक है।गुजरात के परिवेश पर आधारित यह शो नंदिनी पर प्रकाश डालता है, जिसकी परवरिश उसके मामा और मामी ने की है, जिनका किरदार जगत रावत और सेजल झा ने निभाया है। परंपरा में गहरी जड़ें जमा चुकी नंदिनी अपने बड़ों का सम्मान करती है, वह पढ़ी-लिखी है और अपने विचारों में प्रगतिशील है। उसकी माँ ने उसे सिखाया है कि जो बात समझ में ना आए उसे पर सवाल करो, और नंदिनी निडरता

से ऐसा करती है। अभिनेता ज़ान खान ने नंदिनी के पति, नरेन रतनशी की भूमिका निभाई है, जबकि अभिनेता धर्मेश व्यास और ख़ुशी राजपूत उसके सास-ससुर हेमराज रतनशी और चंचल रतनशी की भूमिका में हैं।

जेडी मजेठिया, हैट्स ऑफ प्रोडक्शंस ने कहा,दहेज प्रथा अब भी एक भयानक हकीकत है, न केवल ग्रामीण भारत में बल्कि महानगरीय शहरों में भी। इसे अब एक नई भाषा मिल गई है, हमें कुछ नहीं चाहिए, आप अपनी बेटी को खुशी से जो देना चाहो वो दीजिए। हम दहेज में लाए गए सोने और उपहारों की तुलना में एक महिला के जीवन, उसकी कीमत को क्यों महत्व देते हैं? इस तरह के सवाल बार-बार उठाए जाने की जरूरत है और हमारे शो का उद्देश्य ऐसी कई प्रथाओं पर प्रकाश डालना है जो परंपरा के रूप में छिपी हुई हैं। हमें इतनी शानदार कलाकारों के साथ काम करने में खुशी हो रही है, जो प्रसिद्ध लेखकों द्वारा लिखी गई इस कहानी में अपनी दमदार अधिकारी प्रस्तुत करेंगे, जो देश भर के दर्शकों के दिलों में उतरने का वादा करती है। मीरा देवस्थले ने कहा,मैंने भारतीय टेलीविजन पर हमेशा अपरंपरागत भूमिकाएं चुनी हैं, और मैं अपने अगले किरदार नंदिनी को लेकर बहुत उत्साहित हूं, जो हर उसे बात के खिलाफ आवाज उठाती है जिसे वो गलत मानती है। आज भी, दहेज हमारे समाज को परेशान कर रहा है, जिसमें हम एक लड़की का मूल्य उन पैसों और महंगी वस्तुओं तक सीमित कर देते हैं जो वह अपने ससुराल में लाती है। यह नंदिनी की कहानी है, जिसने अपने दहेज की वापसी की मांग करते हुए एक ऐसा कदम उठाया जो पहले कभी देखा या सुना नहीं गया था, और मुझे उम्मीद है कि हम इस संदेश को दूर-दूर तक फैला सकते हैं कि दहेज रीत नहीं रोग है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.


श्री गणेशाय नमः

श्री सूर्यदेवाय नमः

लोहितं रथमारुढं सर्वलोकपितामहस्, महापापहरं देव तं सूर्यं प्रणमाम्सहम्

श्री जाखोडा माताय नमः

# कर्नाटक की पावन पुण्य धरा बेंगलूरु में

# सूर्य मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर

Om Shree Surya Narayan Temple Bangalore
ESTD. 2024
Founder Sunil Sharma
Sharma Transports

## भावभरा हार्दिक आमंत्रण

**दिव्य आशीर्वाद**

पूज्य पिताजी
स्व. श्री डी.पी. शर्मा
(श्री पारसमलजी शर्मा)

हमारे अग्रज
स्व. श्री सुरेशजी शर्मा

**दिनांक : 12 से 16 फरवरी 2024**

**पावन प्रेरणा**

पूज्य मातुश्री
श्रीमती रामकन्यादेवीजी शर्मा

ॐ श्री सूर्यनारायण मंदिर
जे.पी.नगर, रागीगुड्डा मंदिर, बेंगलूरु - 560078
संपर्क सूत्र : 9743119119

प्रिसेंस श्राईन
गेट नं. 9, वल्लारी रोड़,
पैलेस ग्राउण्ड, बेंगलूरु

शर्मा ट्रांसपोर्टस्
नं. 328, संगीता भवन, कलासीपाल्यम, बेंगलूरु
संपर्क सूत्र 9840075880, 9743119119

सर्व धर्मप्रेमी बंधुवर, जय भास्कर । सूर्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव दि. 12 से 16 फरवरी 2024 तक बेंगलूरु में होने जा रही है। यह अनुपम सुनहरा मौका आप सभी के सहयोग से मिलने जा रहा है। बेंगलूरु में सूर्य मंदिर की परिकल्पना हमारे पूज्य पिताजी स्व. श्री डी.पी.शर्माजी ने की थी। आज उनके इस सपने को साकार रुप मिलने जा रहा है। हमारा मन हर्षित और उमंग एवं उल्लास से भरा हुआ है। पूज्य मातुश्री श्रीमती रामकन्यादेवीजी की प्रेरणा और आप सभी की उपस्थिति इस कार्यक्रम को चार चांद लगाएंगे।

### संवत् 2080, माघ शुक्ला 5, बुधवार, दि. 14 फरवरी 2024

**शुभ मुहूर्त्त में सूर्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा**

प्रातः 9.00 बजे : दर्शन एवं प्रसाद
प्रातः 9.15 बजे : ध्वजारोहण
प्रातः 10.00 बजे : बधाई

स्थल : सूर्य मंदिर, रानीगुड्डा मंदिर परिसर
जे.पी.नगर, बेंगलूरु

### संवत् 2080, माघ शुक्ला 6, गुरुवार, दि. 15 फरवरी 2024

**माध्यम गौशाला एवं कोटिलिंगेश्वर भ्रमण**

प्रातः 8.00 बजे : गांधीनगर से माध्यम गौशाला के लिए प्रस्थान
प्रातः 10.00 बजे : गौशाला में गौ पूजन, गौसेवा एवं अल्पाहार
प्रातः 11.00 बजे : कोटिलिंगेश्वर मंदिर के लिए प्रस्थान
अपरान्ह 1.00 बजे : कोटिलिंगेश्वर मंदिर में
लिंग स्थापना एवं महारुद्र हवन तथा भोजन
सायं 5.00 बजे : बेंगलूरु के लिए वापस प्रस्थान

### संवत् 2080, माघ शुक्ला 7, शुक्रवार, दि. 16 फरवरी 2024

प्रातः 8.00 बजे : सूर्य सप्तमी का विशाल वरघोड़ा एवं सूर्य सप्तमी हवन व पूजा
प्रातः 11.30 बजे से : महाप्रसादी
स्थल : सूर्य मंदिर, रानीगुड्डा मंदिर परिसर, जे.पी.नगर, बेंगलूरु
बेंगलूरु सूर्य सप्तमी महोत्सव में पधारें सभी का महानुभावों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन
आयोजक : श्री सुनीलकुमारजी शर्मा एवं सूर्य सप्तमी आयोजन समिति, बेंगलूरु

निवेदक : रामकन्यादेवी - स्व. श्री डी.पी. शर्मा,
चन्द्रादेवी - स्व. श्री सुरेशकुमार शर्मा, संतोषदेवी - सुनीलकुमार शर्मा
नील, निखिल, युवराज शर्मा, खुशी, मेहक और सिद्धि शर्मा एवं समस्त शर्मा (आसीवाल) परिवार

प्रतिष्ठा महामहोत्स्व में
देशभर से पधारें हुए
सभी समाज बंधुओं का
हार्दिक स्वागत
एवं अभिनंदन

अभिनंदनकर्ता

## सुनील कुमार शर्मा

शर्मा (आसीवाल) परिवार, बेंगलूरु

**SHARMA TRANSPORTS**
# 328, Sangeetha Bhavan, Tippu Sultan
Palace Road,
Kalasipalyam, Bangalore - 560002.

संकलनकर्ता : भूपेश कश्यप, बेंगलोर

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com